● वर्ष-2
● अंक-155
रायपुर, गुरुवार
16 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

# दलों का गणित बिगाड़ेगी टिपरा मोथा

## त्रिपुरा की सभी 60 विधानसभा सीटों पर आज मतदान

**नई दिल्ली।** त्रिपुरा की सभी 60 विधानसभा सीटों पर आज मतदान होना है। इसके लिए कुल 259 उम्मीदवार मैदान में हैं। अभी तक त्रिपुरा की सत्ता भारतीय जनता पार्टी के हाथों में है। दोबारा सत्ता में आने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर कई दिग्गज नेताओं ने जमकर सूबे में प्रचार किया। वहीं, कांग्रेस ने इस बार लेफ्ट फ्रंट के साथ गठबंधन किया है। चुनाव में शाही परिवार के उत्तराधिकारी प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देबबर्मन की नई पार्टी टिपरा मोथा ने भी ताल ठोका है। ऐसे में लड़ाई त्रिकोणीय होती दिखाई दे रही है।

भारतीय जनता पार्टी और आईपीएफटी एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने 55 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि आईपीएफटी के पांच प्रत्याशी मैदान में हैं। कांग्रेस ने लेफ्ट के साथ गठबंधन किया है। समझौते के तहत सीपीएम 43 और कांग्रेस 13 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन दिया गया है। प्रद्योत बिक्रम की नई पार्टी टिपरा मोथा ने 42 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 28 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। अन्य दलों के 15 प्रत्याशी मैदान में हैं। 58 प्रत्याशी निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं।

2018 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। तब भी भाजपा ने आईपीएफटी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। भाजपा ने यहां 25 साल

से शासन कर रहे लेफ्ट को बेदखल किया था। बिप्लब देब राज्य मुख्यमंत्री बने। 2022 में भाजपा ने देब की जगह मानिक साहा को राज्य की कमान सौंपी। अब साहा पर भाजपा को सत्ता में वापसी कराने की जिम्मेदारी है।

जिलेवार सीटों का आंकड़ा देखें तो पश्चिम त्रिपुरा में सबसे ज्यादा 14 विधानसभा सीटें हैं। 2018 में इन सभी पर भाजपा और गठबंधन की आईपीएफटी ने कब्जा कर लिया। 14 में से 12 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी, जबकि दो पर आईपीएफटी के उम्मीदवार जीते थे। सिपाहीजाला में सीपीएम का दबदबा देखने को मिला था।

यहां की नौ में से पांच सीटों पर सीपीएम के उम्मीदवार चुनाव जीते थे, जबकि तीन पर भाजपा और एक पर आईपीएफटी की जीत हुई थी। गोमती की सात में से पांच और दक्षिण त्रिपुरा की सात में से तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। धलाई में भी भाजपा हावी थी। यहां की छह में से पांच पर भाजपा और एक पर गठबंधन की आईपीएफटी को जीत मिली थी। उत्तर त्रिपुरा, उनाकोटी में सीपीएम और भाजपा ने बराबर सीटें हासिल कीं।

### अभी क्या समीकरण हैं?

त्रिपुरा में सबसे ज्यादा आदिवासी समुदाय के वोटर्स हैं। इनकी संख्या करीब 32 फीसदी है। 60 में से 20 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। 40 सीटें अनारक्षित है। यही कारण है कि इसके लिए सभी पार्टियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। राज्य की सीमा बांग्लादेश से सटी हुई है और यहां 65 फीसदी बांग्लाभाषी रहते हैं। आठ फीसदी मुसलमान रहते हैं। 2021 में बांग्लादेश के दुर्गा पंडालों में खूब हिंसा हुई। इसका असर त्रिपुरा में भी देखने को मिला। यहां भी कई जिलों में तनाव की स्थिति देखी गई। पिछली बार भाजपा और आईपीएफटी ने सभी 20 आरक्षित सीटों पर जीत हासिल की थी।

### भाजपा की क्या स्थिति है?

भाजपा नेता हंगशा कुमार त्रिपुरा इस साल अगस्त में अपने 6,000 आदिवासी समर्थकों के साथ टिपरा मोथा में शामिल हो गए। टिपरा मोथा के आने के बाद आदिवासी वोटों का समीकरण साधना भाजपा के साथ ही सभी दलों के लिए चुनौती बना है। हालांकि, भाजपा अपनी सरकार की योजनाओं और पीएम मोदी के चेहरे पर सभी समीकरण साधने उम्मीद कर रही है।

### टिपरा मोथा की क्या भूमिका

त्रिपुरा के राजशाही परिवार से ताल्लुक रखने वाले प्रद्योत बिक्रम की नई पार्टी टिपरा मोथा भी चुनावी मैदान में है। 42 सीटों पर टिपरा मोथा के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। आदिवासियों के लिए अलग से ग्रेटर त्रिपुरालैंड की मांग कर रहे प्रद्योत चुनाव में किंगमेकर साबित हो सकते हैं। इसकी बानगी जिला परिषद चुनाव में देखने को मिल चुकी है। खासतौर पर आदिवासी बेल्ट में टिपरा मोथा का असर देखने के मिल सकता है।

### भाजपा का महिलाओं पर दांव

सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को टिकट दिया है।

| पार्टी | कुल उम्मीदवार | महिलाएं |
|---|---|---|
| भाजपा | 55 | 12 |
| सीपीआई (एम) | 43 | 02 |
| टिपरा मोथा | 42 | 02 |
| तृणमूल कांग्रेस | 28 | 03 |
| कांग्रेस | 13 | 01 |
| अन्य | 78 | 10 |
| कुल | 259 | 30 |

## इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

### केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रदेश में हाल बुरा

केंद्र में भाजपा की सरकार ने और राज्य में कांग्रेस पार्टी की, दोनों सरकारों को बनाने में जनता के मतों का योगदान है। लोकसभा हो या विधानसभा जनता अपनी सरकार को देश-प्रदेश के विकास और जनता के कल्याण करने के लिए चुनती है। प्रदेश में भूपेश बघेल की सरकार ने पिछले 4 वर्षों में गांव, गरीब, किसान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की है। इसी प्रकार केंद्र सरकार भी राज्यों के लिए अनेक योजनाएं बनाती है जिसे लागू करने की जिम्मेदारी राज्य की होती है। ज्यादातर केंद्र सरकार की योजनाओं में जो खर्च होता है उसका बड़ा हिस्सा केंद्र की ओर से मिलता है और राज्य को भी एक हिस्सा का योगदान करना पड़ता है। नरेन्द्र मोदी की सरकार का लक्ष्य है आगामी कुछ वर्षों में देश के हर व्यक्ति का अपना घर हो और उसके घर तक नल की पाइप लाईन बिछ जाए जिससे उसे पानी मिल सके। प्रधानमंत्री ग्रामीण एवं शहरी आवास योजना और जल जीवन मिशन के तहत केंद्र सरकार ने जो लक्ष्य निर्धारित किए है उसे पाने में छत्तीसगढ़ प्रदेश बहुत पीछे नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर पिछले 2 वर्षों से विधानसभा के भीतर और बाहर प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है। अभी प्रदेश में सभी विधायकों के निवास को घेरने का अभियान चल रहा है। एक आंकड़े के मुताबिक जब से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार की बनी है तब से प्रधानमंत्री आवास योजना का काम ठप्प पड़ा है। भाजपा के शासनकाल में 2016-17 से लेकर 2018-19 तक साढ़े सात लाख से अधिक आवास का निर्माण किया गया और लोगों को मिल भी गया। 2020-21 में केंद्र सरकार ने प्रदेश के लिए डेढ़ लाख आवास स्वीकृत किए थे जो अभी तक बन नहीं पाए है, इसके बाद के 2 साल तक प्रदेश सरकार के द्वारा निर्धारित हिस्सा जमा नहीं करने पर कोई आवास निर्माण स्वीकृत नहीं किया गया है। भाजपा का आरोप है कि प्रदेश में 16 लाख आवास का निर्माण भूपेश सरकार की लापरवाही के कारण नहीं हो सका है। यही हाल जल जीवन मिशन का भी है। जब से मिशन शुरु हुआ है उसके बाद से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने इस मिशन को लेकर केवल गड़बड़ियां ही सामने आ रही है। 2021-22 में देश में जल जीवन मिशन का लाभ पहुंचाने में छत्तीसगढ़ देश के 31वें पायदान पर था। इस साल भी लक्ष्य से बहुत दूर है। जगह-जगह से पाइप लाईन खरीदी से लेकर टंकी निर्माण तक भ्रष्टाचार और प्रक्रिया में बड़ी-बड़ी गड़बड़ी करने की खबरें आती रहती है। सवाल है कि केंद्र सरकार की योजनाओं के काम जनता के लिए आवश्यक है वे पूरे क्यों नहीं हो रहे है? क्या राज्य सरकार के पास पैसे की कमी है, लापरवाही है या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता? जो भी है नुकसान जनता का है।

# बीबीसी के दफ्तर पर आयकर विभाग का सर्वे जारी

**मुंबई।** आयकर अधिकारी बीबीसी के दिल्ली और मुंबई कार्यालयों में एक सर्वेक्षण कर रहे हैं और कर्मचारियों के फोन जब्त कर लिए हैं। यूके सरकार ने कहा कि यह ब्रॉडकास्टर के खिलाफ पूछताछ की बारीकी से निगरानी कर रही है।19 घंटे बीत चुके हैं, सर्वेक्षण अभी भी जारी है। कथित कर चोरी की जांच के तहत दिल्ली, मुंबई और दो अन्य स्थानों पर बीबीसी के कार्यालयों में कल सुबह करीब 11 बजे सर्वेक्षण कार्य शुरू हुआ।

सूत्रों ने बताया कि बीबीसी के भारतीय कार्यालयों में आयकर अधिकारियों के सर्वेक्षण के दूसरे दिन में प्रवेश करने के बाद, ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर ने अपने कर्मचारियों को एक नया मेल जारी किया। ईमेल में उन्हें तैयार रहने और कर अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए कहा गया। अपने कार्यालयों में आई-टी सर्वेक्षण शुरू होने के बाद से बीबीसी ने भारत में अपने कर्मचारियों को दो ईमेल भेजे हैं। सूत्रों ने कहा कि ईमेल में बीबीसी ने भारत में अपने शीर्ष अधिकारियों को आयकर अधिकारियों द्वारा किसी भी पूछताछ के लिए तैयार रहने और जांच में सहयोग करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि इसने दिल्ली और मुंबई कार्यालयों में अपने कर्मचारियों को निर्देशों की एक सूची भी भेजी है।

आयकर विभाग ने कहा कि सर्वेक्षण अंतरराष्ट्रीय कराधान और बीबीसी सहायक कंपनियों के स्थानांतरण मूल्य निर्धारण से

संबंधित मुद्दों की जांच के लिए किया जा रहा। इसके साथ ही ये भी आरोप लगाया कि ब्रॉडकास्टर को अतीत में नोटिस दिया गया था, लेकिन वह उल्लंघन करने वाला और गैर-अनुपालन करने वाला था और उसने अपने मुनाफे को महत्वपूर्ण रूप से डायवर्ट किया था। आयकर अधिकारी कंपनी के कारोबार संचालन और उसकी भारतीय इकाई से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। कर अधिकारियों ने चोर देकर कहा कि यह एक सर्वेक्षण था, खोज नहीं, और यह कि फोन वापस कर दिए जाएंगे।

### कार्रवाई पर बोलीं ममता बनर्जी

बीबीसी कार्यालयों में आयकर विभाग के सर्वेक्षणों को भाजपा सरकार का राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर के खिलाफ कार्रवाई ने प्रेस की स्वतंत्रता को प्रभावित किया है। सीएम बनर्जी ने कहा कि बीबीसी पर आई-टी सर्वेक्षण बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है ज एक दिन, भारत में कोई मीडिया नहीं होगा।

## प्रमुख समाचार

### आजम खान को बड़ा झटका बेटे अब्दुल्ला की खत्म हुई विधायकी

**नई दिल्ली।** समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को एक बार फिर से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम की विधायकी खत्म हो गई है। उन्हें उत्तर प्रदेश विधानसभा से अयोग्य घोषित किया गया है। इसके बाद उनकी सीट स्वार को रिक्त भी घोषित कर दिया गया है। यह दूसरा मौका है जब अब्दुल्लाह आजम को अयोग्य घोषित किया गया है और उनकी सीट को रिक्त किया गया है। इसका मतलब साफ है कि स्वार टांडा सीट पर एक बार फिर से विधानसभा के लिए उपचुनाव होंगे। इससे पहले मुरादाबाद की एक विशेष अदालत ने सोमवार को 15 साल पुराने मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान और उनके विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम को दो साल की सजा सुनाई थी। इसी के बात अब्दुल्ला आजम के लिए मुश्किलों की शुरूआत हुई थी। आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला को दो-दो साल की सजा और तीन-तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 31 दिसंबर 2007 की रात उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के शिविर पर आतंकवादी हमला हुआ था।

### मुझे आतंकी अजमल कसाब की सेल में रखा गया था- अनिल देशमुख

**मुंबई।** महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने भाजपा और उसके सहयोगियों पर

अप्रत्यक्ष हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर उन्होंने दो साल पहले अपने मूल्यों से समझौता किया होता और कुछ लोगों के इशारे पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली तत्कालीन महा विकास अघाड़ी सरकार के खिलाफ झूठे आरोप लगाए होते तो वह जेल नहीं जाते। एनसीपी नेता ने कहा कि उन्हें बैरक नंबर 12 में रखा गया था, जहां पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को फांसी दिए जाने से पहले रखा गया था। कटोल विधायक ने घोषणा की कि वह 17 फरवरी को शाम 5 बजे अपने निर्वाचन क्षेत्र में जेल से बाहर आने के बाद पहली बार एक सार्वजनिक रैली करेंगे। देशमुख को सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों द्वारा 2 नवंबर, 2021 को रेस्तरां और बार मालिकों से पुलिसकर्मियों से 100 करोड़ रुपये वसूलने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह जमानत पर बाहर है।

### मुख्यमंत्री के पूर्व सचिव 5 दिनों की ईडी की हिरासत में

**नई दिल्ली।** कोच्चि की एक विशेष अदालत ने बुधवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के पूर्व प्रधान सचिव एम शिवशंकर को राज्य सरकार के लाइफ मिशन प्रोजेक्ट में कथित रिश्वतखोरी से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पांच दिन की हिरासत में भेज दिया। एक वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी शिवशंकर पिछले महीने सेवानिवृत्त हुए थे> मंगलवार को केंद्रीय एजेंसी द्वारा तीन दिनों की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। वह सनसनीखेज सोने की तस्करी के मामले से संबंधित आरोपों के सिलसिले में अक्टूबर 2020 में 98 दिनों के लिए जेल में था, जिसमें राज्य की राजधानी, तिरुवनंतपुरम में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के वाणिज्य दूतावास से सीमा शुल्क द्वारा 30 किलोग्राम पीली धातु जब्त की गई थी। हालांकि ईडी ने 10 दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों से निपटने वाली अदालत ने केवल पांच दिन की मोहलत दी। ईडी ने अदालत को बताया कि शिवशंकर जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और उन्होंने खाना खाने से इनकार कर दिया था।

### भाजपा विधायकों ने 500 रुपये का नोट चिपकाकर पहना मास्क

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। बजट सत्र के दौरान खूब हो हल्ला भी देखने को मिला है। इन सब के बीच

आज पश्चिम बंगाल में बजट पेश किया गया। वहीं, आज पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र में भाजपा विधायकों ने 500 रुपये के नोट को चिपकाकर मास्क पहना और अपना विरोध जताया है। दरअसल, भाजपा विधायक राज्य में चल रहे भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का मुद्दा उठा रहे थे। इसी के खिलाफ उन्होंने 500 रुपए के नोट को चिपका कर अपना विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी विधायक मनोज तिग्गा ने कहा कि सरकार के वादों को पूरा नहीं कर रहा बजट। एसएससी और टीईटी पास करने वाले छात्र अभी भी बेरोजगार हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कई विभागों में पद खाली हैं लेकिन विरोध होने पर भी नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट का आयोजन होता है लेकिन बंगाल में कोई बड़ा बिजनेस नहीं आता। सरकार के पास भी कोई बड़ी योजना नहीं है और अंततः कोई विकास नहीं है।

### राम मंदिर की दीवारों पर खलिस्तानियों ने लिखे नारे

**ओटावा।** कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में हिंदू-फोबिया का कोई अंत नहीं नजर आ रहा है। हाल ही में गौरी शंकर मंदिर पर हुए हमले के बाद, कनाडा में

एक मंदिर में तोड़फोड़ की एक और घटना सामने आई है। कनाडा में एक राम मंदिर में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए भारत विरोधी नारे लिखे गए। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कनाडा के राम मंदिर में हुई घटना की निंदा की और अधिकारियों से जांच करने और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। ताजा घटना 13 फरवरी को मिसिसॉगा के एक राम मंदिर में हुई थी। हालांकि, घटना के समय का पता नहीं चला है। टोरंटो में भारत के वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को ट्वीट किया, हम मिसिसॉगा में राम मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित करने की कड़ी निंदा करते हैं। हमने कनाडा के अधिकारियों से इस घटना की जांच करने और अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। मंदिर के 'फेसबुक पेज' पर लिखा गया है, ओंटारियो के मिसिसॉगा में श्री राम मंदिर की दीवारें रात में गंदी कर दी गयीं। हम इस घटना से बहुत परेशान हैं और हम इस मामले पर उचित कानून प्रवर्तन प्राधिकरण के साथ काम कर रहे हैं।

# वक्फ बोर्ड की तर्ज पर सनातन बोर्ड के गठन की माँग

**नीरज कुमार दुबे**

मुस्लिमों के वक्फ बोर्ड की तरह अब हिंदुओं के लिए सनातन बोर्ड की माँग होने लगी है। सनातन बोर्ड की माँग करने वालों का कहना है कि हिंदुओं के धर्म स्थलों की संपत्ति और आय सरकार के पास नहीं जानी चाहिए। सनातन बोर्ड की मांग करने वालों का कहना है कि जब सरकार किसी मस्जिद या चर्च में आने वाले दान या चढ़ावे का एक रुपया भी नहीं लेती तो आखिर क्यों हिंदू मंदिरों में चढ़ाया जाने वाला एक-एक रुपया तक ले लेती है। भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने सनातन बोर्ड की माँग कर विपक्ष को एक नया मुद्दा थमा दिया है लेकिन देखना होगा कि हिंदुत्व की राजनीति में हाथ आजमाने की कोशिश कर रही कांग्रेस और आम आदमी पार्टी क्या इस माँग का विरोध करती हैं? जहां तक वक्फ बोर्ड की बात है तो आपको बता दें कि यह जमीन कब्जाने वाला एक संगठन बन कर रह गया है। वोट बैंक की सियासत के चलते कांग्रेस सरकारों ने वक्फ बोर्ड के काले कारनामों की हमेशा अनदेखी की। कांग्रेस सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के चलते वक्फ बोर्ड के फलने-फूलने के लिए कई रास्ते खोले। कांग्रेस ने वक्फ बोर्ड को असीम शक्तियां दीं जिसके चलते वक्फ बोर्ड की संपत्ति दिन दुनी रात चौगुनी बढ़ने लगी। वक्फ बोर्ड के महत्वपूर्ण पदों पर बड़े नेता और दबंग आसीन होने लगे और महत्वपूर्ण जमीनों पर कब्जा कर बंदरबांट का खेल शुरू हो गया।

देखा जाये तो वक्फ बोर्ड में कुंडली मारे बैठे लोगों का धर्म-कर्म से कोई नाता नहीं रह गया है, इनका सारा ध्यान ऐसी जमीनों को हथियाने पर लगा रहता है जिसको लेकर कहीं कोई विवाद चल रहा हो या फिर या फिर ऐसी कोई जमीन हो जिसका कोई वैध वारिस नहीं हो। इसके अलावा वक्फ बोर्ड जहां भी कब्रिस्तान की घेरेबंदी करवाता है, उसके आसपास की जमीन को भी अपनी संपत्ति

करार दे देता है। जिसके चलते अवैध मजारों और नई-नई मस्जिदों की भी बाढ़-सी आ रही है। 1995 का वक्फ एक्ट कहता है कि अगर वक्फ बोर्ड को लगता है कि कोई जमीन वक्फ की संपत्ति है तो यह साबित करने की जिम्मेदारी उसकी नहीं, बल्कि जमीन के असली मालिक की होती है कि वो बताए कि कैसे उसकी जमीन वक्फ की नहीं है। 1995 का कानून यह जरूर कहता है कि किसी निजी संपत्ति पर वक्फ बोर्ड अपना दावा नहीं कर सकता, लेकिन यह तय कैसे होगा कि संपत्ति निजी है? इसको लेकर कानून में बिल्कुल भी स्पष्टता नहीं है। अगर वक्फ बोर्ड को सिर्फ लगता है कि कोई संपत्ति वक्फ की है तो उसे कोई दस्तावेज या सबूत पेश नहीं करना है, सारे कागज और सबूत उसे देने हैं जो अब तक दावेदार रहा है। कौन नहीं जानता है कि कई परिवारों के पास पुस्तैनी जमीन के पुख्ता कागज नहीं होते हैं। वक्फ बोर्ड इसी का फायदा उठाता है क्योंकि उसे कब्जा जमाने के लिए कोई कागज नहीं देना है। इसी के चलते वक्फ बोर्ड की संपत्ति में लगातार बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है। वक्फ बोर्ड को अपनी दावेदारी साबित करने के लिए कुछ ज्यादा नहीं करना पड़ता है, वह एक बैनर या बोर्ड लगाकर किसी भी संपत्ति को अपना बता देता है।

हम आपको बता दें कि 1947 में आजादी मिलने के साथ भारत के बंटवारे से पाकिस्तान नया देश बना। तब जो मुसलमान भारत से पाकिस्तान चले गए, उनकी जमीनों को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया था। उसी समय 1950 में हुए नेहरू-लियाकत समझौते में तय हुआ था कि विस्थापित होने वालों का भारत और पाकिस्तान में अपनी-अपनी संपत्तियों पर अधिकार बना रहेगा। वो अपनी संपत्तियां बेच सकेंगे। हालांकि, पाकिस्तान में नेहरू-लियाकत समझौते के अन्य प्रावधानों का जो हश्र हुआ, वही हश्र इसका भी हुआ।

हिन्दुस्तान में तो वोट बैंक की सियासत के चलते वक्फ बोर्ड खूब फलाफूला वहीं पाकिस्तान में हिंदुओं की छोड़ी जमीनें, उनके मकानों, अन्य संपत्तियों पर वहां की सरकार या स्थानीय लोगों का कब्जा हो गया। उसी समय भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि यहां से पाकिस्तान गए मुसलमानों की संपत्तियों को कोई हाथ नहीं लगाएगा। इसके बाद 1954 में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ। देखा जाये तो दुनिया के किसी इस्लामी देश में वक्फ बोर्ड नाम की कोई संस्था नहीं है। यह सिर्फ भारत में है जो इस्लामी नहीं, धर्मनिरपेक्ष देश है।

वक्फ बोर्ड पर सरकारें कैसे मेहरबान रहती थीं इसका सबसे बड़ा उदाहरण वर्ष 1995 में पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार के समय देखने को मिला जब केन्द्र सरकार ने वक्फ एक्ट 1954 में संशोधन किया और नए-नए प्रावधान जोड़कर वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दीं। इसके बाद वर्ष 2013 में मनमोहन सरकार ने वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन कर इसे और शक्तियां प्रदान कर दीं। हम आपको बता दें कि बड़ी बात है कि अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दिया गया है तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। तब आप वक्फ ट्राइब्यूनल में जा सकते हैं। इस ट्राइब्यूनल में प्रशासनिक अधिकारी होते हैं। उसमें गैर-मुस्लिम भी हो सकते हैं। हालांकि, राज्य की सरकार किस दल की है, इस पर निर्भर करता है कि ट्राइब्यूनल में कौन लोग होंगे।

# कांग्रेस घोषणा पत्र के अहम वादे अभी बाकी है : सिंहदेव

■ बजट में कुछ घोषणा होने की उम्मीद

**जगदलपुर।** स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव अपने दो दिवसीय बस्तर प्रवास के दौरान पत्रकारों ने सवाल करते हुए बेरोजगारी भत्ता, कर्मचारियो के नियमितीकरण, वेतन विसंगति, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका, मितानिन, रसोईया, सफाई कर्मी जैसे अन्य कर्मचारियों की मांग अब तक पूरे नहीं किये जाने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कांग्रेस घोषणा पत्र में किये वादे एक-एक कर पूरा कर रही है, किंतु बहुत अहम मुद्दा अभी भी बाकी है। बेरोजगारी भत्ता की बात हो, कर्मचारियों के नियमितीकरण, वेतन विसंगति दूर करने, आंगनबाड़ी कार्यकताओं व सहायिकाओं के वेतन वृद्धि, सफाई कर्मचारियों के नियमितीकरण, मितानिन, रसोइया के मांगों पर उतना नहीं हो पाया। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि 6 मार्च को बजट आ रहा है, बजट में कुछ घोषणा हो जाये। उन्होंने इस बात को भी स्वीकार करते हुए कहा कि पेंशन बढऩा चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिहंदेव से पत्रकारों ने कहा कि अरविंद नेताम ने भानुप्रतापपुर उपचुनाव में पार्टी लाइन के बाहर जाकर काम किया। सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ सर्वदलीय समाज के प्रत्याशी का समर्थन किया। पार्टी संविधान से कोई बड़ा नहीं होता, इसीलिए मुख्यमंत्री के शिकायत पर उन्हें आला कमान से नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिस तरह से बस्तर में जनप्रतिनिधियों की नक्सली हत्या कर रहे हैं, यह जरूर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि हर ऐसी घटना के लिए प्रशासन को सजग होना आवश्यक है। हालांकि अचानक घटना हो जाए, तो उसके लिए कोई भी विभाग या पुलिस विभाग कुछ कर नहीं पाता, लेकिन कोई पुरानी रंजिश हो, कहीं पहले से ही कुछ बात है, तो उसके लिए जरूर सूचनातंत्र और पुलिस विभाग को सतर्क रहना चाहिए। स्वास्थ मंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि बॉन्डिंग डॉक्टर्स जो पास आउट करके आ रहे हैं, अब उनकी तैनाती विशेष रूप से बस्तर के अस्पतालों में की जायेगी।

## स्वास्थ्य मंत्री ने जिला आयुर्वेद चिकित्सालय और यूपीएचसी का किया निरीक्षण

■ दवा वितरण कक्ष का निरीक्षण कर दवाइयों की उपलब्धता, भंडारण और एक्सपायरी डेट की जानकारी ली

■ निर्माणाधीन यूपीएचसी का काम अच्छी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

**जगदलपुर।** स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने आज अपने बस्तर प्रवास के दूसरे दिन जगदलपुर में जिला आयुर्वेद चिकित्सालय और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सालय में भगवान धनवंतरि की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान चिकित्सकों की बैठक व्यवस्था और उनके दैनिक कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सालय में ओपीडी की स्थिति और डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत इलाज के बारे में भी पूछा।

स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव ने आयुर्वेद चिकित्सालय परिसर में संचालित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान बालिका स्वास्थ्य की जांच कराने पहुंचे हितग्राहियों से भी बातचीत की। उन्होंने यूपीएचसी में मानव संसाधन बढ़ाने स्वास्थ्य विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. राजन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चतुर्वेदी से चर्चा की। श्री सिंहदेव ने वहां दवा वितरण कक्ष का निरीक्षण किया और दवाईयों की उपलब्धता, भंडारण की स्थिति, एक्सपायरी डेट आदि की जानकारी ली। उन्होंने परिसर के निरीक्षण के दौरान प्रसाधन कक्ष का भी अवलोकन कर सफाई व्यवस्था की सराहना की।

श्री सिंहदेव ने यूपीएचसी में बालिका दिवस पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी दिए। परिसर के निरीक्षण के दौरान जिला आयुर्वेद चिकित्सालय के प्रभारी अधिकारी डॉ. नेताम, वहां कार्यरत अन्य डॉक्टर एवं स्टॉफ नर्स मौजूद थे। श्री सिंहदेव ने जगदलपुर में 69 लाख 84 हजार रूपए की लागत से निर्माणाधीन यूपीएचसी भवन का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

# स्वास्थ्य मंत्री मैनपाट महोत्सव के समापन समारोह में होंगे शामिल

■ बॉलीवुड व छालीवुड के कलाकारों ने जमाया रंग

**अम्बिकापुर।** मैनपाट महोत्सव के पहले दिन 14 फरवरी को बॉलीवुड, छालीवुड व स्थानीय कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में खूब रंग जमाया। हिंदी, छत्तीसगढ़ी व सरगुजिहा गीतों का दर्शको ने जमकर लुत्फ उठाया और कलाकरो ने तालियां बटोरी। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन क्रिया, वाणिज्य मंत्री श्री टीएस सिंहदेव 16 फरवरी को मैनपाट आएंगे व तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव के समापन अवसर पर शामिल होंगे।

बॉलीवुड सिंगर शशि सुमन के चल छइयां छइयां काटूंन कैसे राता व ससुराल चली गीतों ने दर्शकों ने खूब भाया। सुमेधा करमाहे ने शंकरा शंकरा गाने के साथ हिंदी सदाबहार व छत्तीसगढ़ी की दिलकश तरानों की तान छेड़ी वही छत्तीसगढ़ी लोक गायक अनुज शर्मा व नितीन दुबे ने अपने चिरपरिचित अंदाज में मनमोहक गीतों की प्रस्तुति दी। अनुज शर्मा ने मोर छाइहाँ भुइयां ल छोड़ थिराबे कहां रे, रहिस प्यार दे बर इनकार होगे जी व नितिन दुबे ने हाय रे मोर कोंचई पान जैसे धमाकेदार गीतों से दर्शोंकों को झूमने में मजबूर किया। सरगुजिहा के गायक संजय सुरीला ने हाय रे सरगुज़ा नाचे व कई लोकप्रिय गानों से महफ़िल सजाया। इसके साथ ही डीएवी पब्लिक स्कूल भटको, चाइल्ड एडुकेशन सेंटर, एकलव्य आदर्श विद्यालय बतौली, सेजस देवगढ़, केजीवीबी मैनपाट के स्कूली बच्चों ने भी दी रंगारंग प्रस्तुति।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, गौ-सेवा आयोग के सदस्य श्री अटल यादव, उर्दू अकादमी के सदस्य श्री बदरुदीन इराकी, कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में दर्शक मौजूदगी रही।

स्वास्थ्य मंत्री सिहदेव 16 फरवरी को दोपहर 12 बजे रायपुर से हेलीकाप्टर द्वारा उदयपुर के ग्राम खोंधला के लिए प्रस्थान करेंगे। वे अपरान्ह 1 बजे खोंधला पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात अपरान्ह 2 बजे लखनपुर विकासखण्ड के ग्राम लेंगा के लिए प्रस्थान करेंगे। लेंगा में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपरान्ह 3.15 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा मैनपाट के रोपाखार के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री सिंहदेव मैनपाट महोत्सव के समापन। समारोह में शामिल होने के पश्चात संध्या 5 बजे मैनपाट से अम्बिकापुर के लिए हेलीकाप्टर द्वारा प्रस्थान करेंगे।

# पाटन-दुर्ग रोड में भरे जाएंगे डिवाइडर के गैप, केवल एक किमी में ही दिया जाएगा

■ कलेक्टर ने अविलंब गैप भरने के पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दिये निर्देश

**दुर्ग।** सड़क सुरक्षा की समीक्षा को लेकर आज बैठक कलेक्ट्रेट में हुई। बैठक में कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा एवं एसपी डा. अभिषेक पल्लव ने सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न विषयों पर अधिकारियों से चर्चा की और सड़क सुरक्षा संबंधी सभी उपाय सुनिश्चित करने अधिकारियों को कहा। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि दुर्ग और पाटन के बीच फोर लेन सड़क में बीच-बीच में गैप दे दिये गये हैं। इन गैप की वजह से दुर्घटना की आशंका बनती है। पीडब्ल्यूडी अधिकारी अविलंब गैप भरने की कार्रवाई आरंभ कर दें। इस फोर लेन सड़क में गैप एक किमी के बाद ही होना चाहिए। बैठक में कलेक्टर एवं एसपी ने जिले में हुई दुर्घटनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पिछली समीक्षा में सड़क सुरक्षा को लेकर जो जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये गये थे, उस पर सतत रूप से काम करते हुए लोगों को ट्रैफिक संबंधी नियमों के प्रति जागरूक करना है ताकि लोग सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए हेलमेट लगाएं, सीट बेल्ट बांधे। अधिकारियों ने बताया कि लगातार समझाइश के चलते हाइवे में हेलमेट पहनने वालों की संख्या बढ़ी है। लोगों को लगातार समझाइश दी जा रही है। बैठक में कहा गया कि स्कूलों के पास

सुरक्षा संबंधी एहतियात बेहद जरूरी हैं। इसमें ब्रेकर, मार्कर आदि होना बहुत आवश्यक है। धमधा नाका के पास की पुलिया के संकीर्ण होने की बात भी बैठक में उठी। इस पर निर्देश दिये गये कि यहां पर ब्रेकर आदि आवश्यक तकनीकी उपाय किये जाएं ताकि स्पीड कम हो और दुर्घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके। जहां पर पेड़ों की कटिंग जरूरी है वहां पर यह करें, साथ ही रेडियम वगैरह भी सभी जगहों पर सुनिश्चित करें। इसके साथ ही कलेक्टर-एसपी ने अधिकारियों से निरंतर मानिटरिंग करते रहने के निर्देश दिये।

## रिसाली मेयर इन काउंसिल ने सफाई ठेका को किया निरस्त

**रिसाली।** पीवी रमन द्वारा झूठा शपथ पत्र प्रस्तुत कर सफाई ठेका लेने का आरोप सही पाया गया। रिसाली महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता वाली परिषद ने सफाई ठेका अंततः निरस्त कर दिया। उक्त निर्णय आयुक्त आशीष देवांगन द्वारा गठित जांच टीम के प्रतिवेदन के आधार पर लिया गया। रिसाली निगम के सफाई ठेका पर सामान्य सभा में गहमा गहमी होने के बाद मंगलवार को महापौर परिषद के सदस्यों ने मामले का पटाक्षेप कर दिया। जांच प्रतिवेदन से स्पष्ट हुआ कि सफाई ठेका लेने ठेकेदार पी.वी.रमन ने अपने शपथ पत्र में इस बात का उल्लेख नहीं किया है कि उसका नाम धमतरी निगम ने काली सूची में शामिल किया है। महापौर परिषद के सदस्यों ने इसे गंभीर आरोप मानते हुए ठेका ही निरस्त कर दिया। महापौर परिषद की बैठक में महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, परिषद के सदस्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, अनुप डे, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, सनीर साहू, ईश्वरी साहू, परमेश्वर कुमार, आयुक्त आशीष देवांगन व विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

झूठा शपथ पत्र प्रस्तुत करने के मामले को महापौर परिषद के सदस्यों ने गंभीर माना। परिषद के सदस्यों ने कहा कि ठेकेदार ने निगम प्रशासन को गुमराह कर ठेका हासिल किया है। जानकारी छिपाने और झूठा शपथ पत्र देने के मामले में अपराध दर्ज कराया जाए।

# दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंजोरा मंडल में भाजपा की पदयात्रा

**दुर्ग।** सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर 14 फरवरी को जन आक्रोश पदयात्रा अंजोरा मंडल के ग्राम बेलौदी के छत्रपति शिवाजी चौंक में छत्रपति शिवाजी महाराज जी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर हुई जो मालूद, नगपूरा, बोरई, गनियारी, रसमड़ा, खपरी, सिलोदा, अंजोरा, थनौद, बिरेझर, खाड़ा, आलबरास होकर देर शाम निकुम पहुंचकर आमसभा में परिणित हुई।

इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के ग्रामीण जनों से मोर आवास मोर अधिकार के मांग पत्र फॉर्म भरवाया गया तथा केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों से संपर्क किया गया । पदयात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, भाजपा जिला महामंत्री ललित चंद्राकर, पूर्व मंत्री जागेश्वर साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रीतपाल बेलचंदन, माया बेलचंदन, मंडल भाजपा अध्यक्ष गिरेश साहू, महामंत्री शिव कुमार निषाद, मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष त्रिलोक साहू, मुकेश बेलचन्दन, बंटी देशमुख, भाना बाई ठाकुर, शिव कुमारी वैष्णव, दिनेश देशमुख सुरेश गुप्ता, गिरेश्वर देशमुख, गनियारी सरपंच पुष्पा ठाकुर,पीतांबर साहू ,विनोद साहू, भूपेश साहू, संतोष साहू, टहल साहू, सतीश साहू, कृष्णा साहू, खोमेंद्र साहू, थानेद्र साहू, मानसिंह, तोप सिंह अमृत, चिमन देशमुख, धरमपाल पिपरिया, सुरेश गुप्ता, राजेंद्र देशमुख, ऋतुराज पिपरिया, हीरा लाल साहू, घनश्याम साहू, भागवत राम पटेल, दिनेश गुप्ता, मोहन लाल कौशिक, गिरवर देशमुख, रोशन लाल देशमुख, भानु साहू, महेतरू, मनीराम साहू, ईश्वर निर्मालकर, लखन लाल निर्मलकर, भैय्यालाल साहू, टेकराम ढीमर, भूपेंद्र दीक्षित, रामनाथ यादव, कोमल धनकर, माधो प्रसाद देशमुख, पंच कुमार, पीतांबर यादव, मान सिंह बेलचन्दन, संबोधी साहू, दुलारीराम धनकर, दिनेश गुप्ता, भागवत राम पटेल, मोहन लाल कौशिक, राजकुमार साहू, हीरालाल ,लक्ष्मण, मिलेंद्र, हेमंत, भारत, रवि, दयालु, संतराम, हेमंत, मिलिंद, सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

## आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की हड़ताल जारी

**जांजगीर चांपा।** जांजगीर चांपा जिले के जिला मुख्यालय के कचहरी चौक पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। आठ दिनों से अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। हड़ताल को पिछले दिनों छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने भी समर्थन दिया है। जिन्होंने भपेश सरकार पर जमकर निशाना साधा था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं शासकीय कर्मचारी का दर्जा दिये जाने, प्रदेश के आगनबाड़ी के रिक्त पदों को तत्काल भरा जाने, सहायिकाओं को कार्यकर्ताओं और कार्यकर्ताओं को सुपरवाईजर पर शतप्रतिशत पदोन्नति देने, प्राइमरी स्कूल के शिक्षक के रूप में दर्जा एवं वेतन देने समेत सात सूत्रीय मांगों पर डटे हैं।

## भाजपा मंडल का शक्ति केन्द्र व बूथ स्तर पर बैठक का निर्णय

**नगरी।** भाजपा मंडल की बैठक मंडल प्रभारी विकल गुप्ता के मार्गदर्शन में ग्राम बगरूमनाला के बुथ क्रमाक 105 में भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता महेश गोटा के घर में आयोजित किया गया जहाँ पर संगठन को बुथ स्तर पर मजबूत करने के लिए शक्तिकेन्द्र व बुथ स्तर पर अनावरत पार्टी का बैठक रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में मंडल प्रभारी विकल गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शक्तिकेन्द्रो की बैठक के लिए बैठक प्रभारी का नियुक्ति किया गया जिसमें सियादेही शक्ति केन्द्र के लिए भरत लाल साहू,, संजय नेताम, कुकरेल हेमलाल साहू, अजय यादव, सलोनी वामन साहू, बाजार कुर्रीडीह संजय शांडिल्य, केरेगांव अकबर मंडावी, माडमसिल्ली बृजलाल मंडावी, सियारीनाला अनीता ध्रव जिला पंचायत सदस्य, गेदरा ननकु दास मानिकपुरी, करैहा महेश गोटा, दुगली टेलेश्वर ठाकुर को बनाया गया। बैठक में मंडल प्रभारी विकल गुप्ता, मंडल अध्यक्ष टेलेश्वर ठाकुर, महामंत्री वामन साहू, अखिलेश प्रजापति, अनीता ध्रुव, ईश्वरी ध्रुव, तारा बाई मंडावी, रूपोतिन बाई ध्रुव आदि उपस्थित रहे।

## शिक्षकों की वेतनविसंगति दूर करे भूपेश सरकारः दिनेश्वरी

**नगरी।** छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक एवं समग्र शिक्षक फेडरेशन, नगरी ब्लाक द्वारा वेतन विसंगति की मांग को लेकर रावणभाठा नगरी में अनिश्चित कालीन हड़ताल में बैठे हैं। इनकी जायज मांग का समर्थन देने जनपद पंचायत नगरी की अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम,जनपद उपाध्यक्ष हुमित लिमजा, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष व सरपंच मुनईकेरा महेन्द्र नेताम समर्थन देने पहुंचे। जनपद पंचायत अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम, उपाध्यक्ष हुमित लिमजा, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष व सरपंच मुनईकेरा महेन्द्र नेताम ने कहा कि शिक्षक पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ सरकार को तत्काल अपने वादे के मुताबिक शिक्षक संवर्ग के वेतन से संबंधित विसंगतियों दूर करना चाहिये। मालूम हो कि भूपेश बघेल ने चुनाव पूर्व शिक्षक संवर्ग के वेतन से संबंधित विसंगतियों दूर करने घोषणा की थी। सरपंच महेन्द्र नेताम ने आन्दोलनरत शिक्षकों को अपने अधिकार के लिए डटे रहने प्रेरित किया। धरना स्थल पर जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम और सभी महिला शिक्षकों ने वादा निभाओ भूपेश सरकार के नारे लगे।

## चक्काजाम के बाद नल जल टंकी का निर्माण कार्य शुरू

**दुर्ग।** दुर्ग ब्लाक के चर्चित ग्राम पंचायत खोपली में नल जल टंकी का निर्माण कार्य रुका हुआ था।जिसको लेकर ग्रामीणों ने एक दिन पहले कार्य सुरु करने को लेकर खोपली की सड़क पर बैठ गए।लेकिन समाधान नहीं होने पर 14 फरवरी की सुबह उतई नगर के दुर्ग पाटन मुखूय मार्ग के मिनी माता चौक में बैठ चक्काजाम कर दिया।तब नगर पॉलिक निगम दुर्ग के आयुक्त लक्ष्मण तिवारी आईईएस के दिशा निर्देश पर खोपली के टंकी निर्माण का कार्य सुरु हो गया।जिसके बाद ग्रामीण जन सड़क से चक्काजाम से हटे।चक्काजाम के अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जनपद सदस्य बिंदु दिनेश देशलहरे,पूर्व सरपंच हेमबती चंद्राकर,सरपंच मंजू फ्तेलाल वर्मा,टिकेश्वर साहू पंच,लक्ष्मी बंजारे पंच, बिंदा सपहा पंच,रेखा यादव पंच,ग्रामीण जन मीना ढहरिया,कुमारी चंद्राकर, रंजना वर्मा, अमरीका वर्मा, सतरूपा काकडे, दुर्गा साहू, दानेस्वारी देशमुख, विमला कमड़े, सुनिता वर्मा, लता सोनवानी उपस्थित थे।

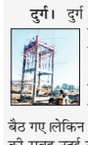

## सिहावा विधायक ने कुलेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर खुशहाली की कामना की

**नगरी।** कुलेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना कर महानदी आरती में सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव शामिल हुई। मंगलवार को राजिम के पवित्र त्रिवेणी संगम पर आयोजित राजिम माघी पुन्नी मेला के संत समागम समारोह में सिहावा विधायक पहुंची। उन्होंने भगवान श्री राजीव लोचन मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं सिहावा विधानसभा क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद लक्ष्मण झूला से पैदल होते हुए श्री कुलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची और वहां पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक कर महानदी की आरती में भी शामिल हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ चरण दास महंत,धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू, राजिम विधायक अमितेश शुक्ल,अभनपुर विधायक धनेन्द्र साहू, राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास,पूर्व विधायक धमतरी गुरूमुख सिंह होरा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी गण मौजूद थे।

# जिपं उपाध्यक्ष ने तरीघाट एनीकट का किया निरीक्षण

■ पानी की कमी ना हो व गेट को तत्काल रिपेयरिंग करने दिया दिशा निर्देश

**पाटन।** तीन जिलों के संगम मे खारून नदी तट तरीघाट पर बना एनीकट ग्रामीणो के सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाया गया था ताकि।आमजनमानस के निस्तारी हो पाये,परंतु वर्तमान स्थिति में स्टाप डेम के अधितर गेट सड़ चूके है,पिछले दिनों महाशिवरात्रि पर्व व गर्मी के सीजन को देखते हुए गंगरेल डेम से नदी पर पानी छोड़ा गया था, जो.कि स्टाप डेम के जर्जर हालत के.कारण पानी व्यर्थ बह गया था, ग्रामीणो ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों व जिपं उपाध्यक्ष अशोक साहू सहित उच्च

अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई थी, जिस पर जिपं के उपाध्यक्ष अशोक साहू ने तरीघाट पहुंच कर डेम कि स्थिति को देखा व मौके पर जलसंसाधन विभाग के ईई विजय पांडेय को फोन के माध्यम से चर्चा की, व एसडीएम विपुल गुप्ता, एसडीओ पीयूष देवांगन ,एनीकट प्रभारी चंद्राकर को पानी की कमी नहीं होंने व 20फरवरी निरंतर पानी के आवक रखने साथ ही तत्काल सड़े गेटो मे मरम्मत कार्य करने के लिए दिशा निर्देश दिये, वहीं ग्रामीणो को भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी।इस अवसर पर जिपं उपाध्यक्ष अशोक साहू,एसडीएम विपुल गुप्ता,एसीडीओ पीयूष देवांगन, एनीकट प्रभारी चंद्राकर, सरपंच अशोक साहू, पूर्व सरपंच चोवाराम सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि डा.छत्रपाल साहू, तोरण सिन्हा सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिपं उपाध्यक्ष ने तरीघाट पहुंच कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया, जिसमें पाया कि स्टाप डेम कि अधीकतर गेट सड़ चूकी है,परंतु जलसंसाधन विभाग को स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणो द्वारा बार बार सुचना तो दी गई लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया, इसी कारण आज एनीकट जर्जर हालत में है

ग्रामीणो ने जिपं उपाध्यक्ष के सामने असमाजिक तत्वों द्वारा गेट को बिना वजह खोलने की बात रखी,जिससे आसपास के गांव तरीघाट, केसरा,परसलुडीह, सोनपुर, सिपकोना के निवासी परेशान रहते हैं निस्तारी मे बडी समस्या उत्पन्न हो जाता है,

महाशिवरात्रि पर्व के लिए कोई दिक्कतें नहीं आएगी, जिपं उपाध्यक्ष ने ग्रामीणो को भरोसा दिलाया।एनीकट के खराब होने से सारे पानी व्यर्थ बह गया, जिस ओर विभाग ने आंखें मूंदे रखी,वहीं जिपं उपाध्यक्ष ने ग्रामीणो को भरोसा दिलाया कि महाशिवरात्रि पर्व पर पानी की कमी नहीं होगी व आने वाले गर्मी में पानी रहे, तत्काल गेटो का रिपेयर करवाया जाएगा।

# ईडी की टीम ने कोरबा कलेक्ट्रेट में दी दबिश

**कोरबा।** सूबे के कोयला परिवहन घोटाले की जांच कर रही ईडी की टीम की एक बार फिर कोरबा वापसी हो गई है। कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित खनिज विभाग में दस्तावेज खंगाल रही है। ईडी के टीम की दबिश से अधिकारियों में खलबली मच गई है।

गौरतलब है कि कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लेवी वसूली का मामला शांत नही हो रहा है। कोयला स्कैम कोरबा से जुड़े होने से बुधवार की सुबह एक बार फिर ईडी की टीम कोरबा के माइनिंग दफ्तर पहुंची है। ईडी ने दोपहर 12.30 बजे छापा मारा। अधिकारी खनिज विभाग के दस्तावेजों और कम्प्यूटर की जांच कर रहे हैं। खनिज विभाग के दफ्तर को उन्होंने अपने कब्जे में ले लिया है और कर्मचारियों के आवागमन को प्रतिबंधित कर दिया गया है।

छापे की खबर के बाद कलेक्टर संजीव झा और

एसपी उदय किरण अपना पाली का दौरा स्थगित कर कलेक्टर कार्यालय आ गए हैं और कलेक्टर चेम्बर में मौजूद हैं। बताना लाजमी है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पिछले दिनों से कोल लेव्ही की अवैध वसूली मामले की जांच कर रहे है। इस मामले में एक आईएएस और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की महिला उप सचिव सहित दो खनिज अधिकारी और 6 अन्य लोग अभी जेल में निरुद्ध हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## नए लोगों और स्टार्ट-अप को सामने लाना आवश्यकः रक्षामंत्री

**बेंगलुरु।** बेंगलुरु में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चंदन सिंह वायु सेना कन्वेंशन सेंटर में वार्षिक रक्षा नवाचार कार्यक्रम मंथन 2023 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश में स्टार्ट-अप को लेकर पिछले कुछ वर्षों में जो वातावरण बना है वह हमारे युवाओं के लिए वह किसी वरदान से कम नहीं है। रक्षा मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि 7-8 साल पहले देश में स्टार्ट अप की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती थी लेकिन आज इनकी संख्या लगभग एक लाख तक पहुंचने वाली है। पहले एक कहावत कही जाती थी, कि नया नौ दिन का, पुराना सौ दिन का। पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोज़ाना नए होते नवाचार ने, इस कहावत को कहीं पीछे छोड़ दिया है। आज हमारा देश, युवाओं को अगर कुछ नया सोचने, और कुछ नया कर दिखाने के लिए सपोर्ट कर रहा है, तो इसका कोई छोटा मतलब नहीं है। इसका बस यह मतलब नहीं है कि हमारे युवा अपने पैरों पर खड़े हो जाएं या हमारे युवाओं को रोजगार मिल जाए बल्कि इससे कहीं अधिक है।

## यूपी सरकार अपना जनविरोधी रवैया बदले : मायावती

**लखनऊ।** कानपुर देहात जिले में अतिक्रमण हटाये जाने के दौरान मां-बेटी की मौत पर उत्तर प्रदेश सरकार को घेरते हुए बसपा की सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को कहा कि यह घटना राज्य सरकार की विज्ञापित वैश्विक निवेशक सम्मेलन से ज्यादा चर्चा में है, ऐसे में प्रदेश का जनहितकारी भला कैसे संभव है। बसपा नेता ने बुधवार को ट्वीट किया, देश एवं खासकर उत्तर प्रदेश जैसे गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पिछड़ेपन आदि से त्रस्त विशाल राज्य में भाजपा सरकार की लोगों को अति-लाचार एवं आतंकित करने वाली बुल्डोजर राजनीति से अब निर्दोष गरीबों की जान भी जाने लगी है, जो अति-दुखद एवं निन्दनीय है। सरकार अपना जनविरोधी रवैया बदले। उन्होंने कहा कानपुर देहात जिले में अतिक्रमण हटाने के नाम पर हुई ज्यादती एवं आगजनी की घटना के दौरान झोपड़ी में रहने वाली मां-बेटी की मौत उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञापित वैश्विक निवेशक सम्मेलन से ज्यादा चर्चा में है।

## आगामी चुनाव मेरी आखिरी चुनावी लड़ाई है : सिद्दारमैया

**बेंगलुरु।** कर्नाटक में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। कर्नाटक में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच है। हालांकि, जनता दल (सेक्युलर) भी राज्य में अच्छा खासा जनाधार रखती है। कर्नाटक में कांग्रेस का नेतृत्व कौन करेगा, इसको लेकर पार्टी की ओर से साफ नहीं किया गया है। लेकिन कहीं ना कहीं वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार के कंधों पर काफी बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है। इन सब के बीच पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने बड़ा बयान दिया है। सिद्दारमैया ने साफ तौर पर कहा है कि इस बार का विधानसभा चुनाव उनका आखिरी चुनाव होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया है कि वह कर्नाटक की राजनीति में सक्रिय रहेंगे। आपको बता दें कि पिछले दिनों ही सिद्धारमैया ने कर्नाटक के कोलार से चुनाव लड़ने के फैसले की घोषणा की थी।

## कांग्रेस को भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देना चाहिए : बोम्मई

**बेंगलुरु।** कर्नाटक में इस साल विधानसभा चुनाव को लेकर वार-पलटवार का दौर लगातार जारी है। कांग्रेस कर्नाटक में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है। अब इसी को लेकर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने जवाब दिया है। बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस का नाम सी से शुरू होता है और भ्रष्टाचार भी सी से शुरू होता है। अत: वे सहसम्बन्धी हैं। उनके खिलाफ 60 से अधिक आरोप हैं और उन पर लोकायुक्त ने भी आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के समय भ्रष्टाचार बहुत अधिक था और अब सभी मामले लोकायुक्त को स्थानांतरित किए जा रहे हैं। सबसे पहले, उन्हें अपने भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देना चाहिए। इससे पहले बोम्मई ने कहा था कि कांग्रेस वह पार्टी है जिसने देश में 'अवैध चीजों और भ्रष्टाचार' को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस विधायकों को हाल में तुमकुरु जिले के कुनिगल में मतदाताओं को 'प्रेशर कुकर' वितरित करते हुए 'रंगे हाथों' पकड़ा गया था।

## बीबीसी को लेकर केजरीवाल ने भाजपा पर हमला किया

**नयी दिल्ली।** बीबीसी के दफ्तरों में सर्वे के लिए आयकर विभाग के पहुंचने को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसकी स्वतंत्रता पर हमला जनता की आवाज दबाने के बराबर है। गौरतलब है कि आयकर विभाग ने मंगलवार को कथित कर अपवंचना की जांच के तहत दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के कार्यालयों तथा दो अन्य संबंधित स्थानों पर 'सर्वे ऑपरेशन' चलाया जो बुधवार भी जारी रहा। अरविंद केजरीवाल ने बुधवार एक ट्वीट में कहा, ''मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। मीडिया की स्वतंत्रता पर हमला जनता की आवाज दबाने के बराबर है। जो भी भाजपा के खिलाफ बोलता है उसके पीछे ये लोग आईटी, सीबीआई और ईडी को छोड़ देते हैं।'' उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थाओं को कुचलकर पूरे देश को अपना गुलाम बनाना चाहती है?

### मेघालय में झालुपारा इलाके में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा

# आज का भारत देने वाला है, लेने वाला नहीं : जेपी नड्डा

**शिलांग।** भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई मोर्चों पर आगे बढ़ रहा है, देश आज लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला है। देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि अतीत में देशों को टीके तैयार करने में वर्षों लग जाते थे, लेकिन भारत ने कुछ महीनों के अंतराल में कोविड-19 के लिए वैक्सीन तैयार कर ली। प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने 100 देशों को कोरोना वायरस के टीके भेजे हैं, इसे 48 देशों को मुफ्त में प्रदान किया है। नड्डा ने झालुपारा इलाके में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, भारत आज लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला है।

उन्होंने याद किया कि अतीत में कैसे जापानी टीकों को भारत पहुंचने में वर्षों लग गए थे। इससे पहले, चिकनपॉक्स और पोलियो जैसी बीमारियों के लिए दवाओं और टीकों के साथ आने में साल बीत जाते थे। हालांकि, भारत ने, कोविड-19 महामारी के दौरान, कुछ महीनों में टीका तैयार कर लिया। भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अभी भी अमेरिका में मास्क पहनते हैं, जबकि 130 करोड़ भारतीय बिना मास्क के सुरक्षित घूमते हैं।

नड्डा ने यह भी कहा कि किसी समय जापान और अमेरिका जैसे विकसित देशों का आंटोमोबाइल बाजार पर दबदबा था, लेकिन वाहनों के निर्माण और निर्यात में भारत आज तीसरे स्थान पर है। नड्डा ने मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत दूरसंचार क्षेत्र में भी काफी प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा, वह दिन दूर नहीं जब आईफोन जैसे टॉप ब्रांड्स पर मेड इन इंडिया लिखा होगा। एनडीए सरकार के तहत सभी पूर्वोत्तर राज्यों ने पिछले 8 वर्षों में अभूतपूर्व विकास देखा है, उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 9 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

## मेघालय-नगालैंड के लिए भाजपा अध्यक्ष ने जारी किया घोषणापत्र

**कोहिमा।** नगालैंड और मेघालय में 27 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने हैं। इन दोनों राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को पार्टी का घोषणापत्र पेश किया। बता दें कि मेघायल में अभी एनपीपी और बीजेपी की गठबंधन सरकार है।

वहीं, नगालैंड में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा कोहिमा पहुंचे। यहां उन्होंने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि 5 साल पहले नॉर्थ ईस्ट में अवरोध, उग्रवाद, लक्षित हमले आदि का सामना करना पड़ता था। मगर आज नागालैंड फिर से शांति, समृद्धि और विकास की राह पर आ गया है। नागालैंड की विकास की एक कहानी रही है। पिछले 8 सालों में विद्रोह 80 फीसदी कम हो गए हैं और स्स्क्क 66 फीसदी क्षेत्रों से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी पूर्वोत्तर के राज्यों को अष्ट लक्ष्मी मानते हैं, उनमें विकास के आधार पर शांति, बिजली, पर्यटन, 5जी संकेत, संस्कृति, प्राकृतिक खेती और खेल के साथ-साथ अन्य क्षमताएं हैं।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा जारी पार्टी के घोषणापत्र में कौशल विकास के अलावा बुनियादी ढांचे, आर्थिक विकास और स्वास्थ्य सेवा और कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की भी घोषणा की गई है। घोषणापत्र में कहा गया है कि हम ट्रांस-नगालैंड राजमार्ग के निर्माण में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार के साथ काम करेंगे, जिससे विभिन्न जिलों में खासकर पूर्वी नगालैंड से आसानी से पहुंचा जा सके।

### मेघालय में बीजेपी की सरकार आते ही लागू किया जाएगा 7वां वेतन आयोग

बीजेपी के घोषणापत्र में कहा गया है कि मेघालय में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आते ही 7वां वेतन आयोग लागू किया जाएगा। इसके साथ ही बीजेपी ने लड़कियों को केजी से स्नातक तक फ्री शिक्षा का वादा किया है। लड़कियों के जन्म के समय पर उन्हें 50,000 रुपये का बॉन्ड भी दिया जाएगा। इसके अलावा, विधवा महिलाओं को सालाना 24 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। वहीं, उज्जवला योजना के लाभार्थियों को साल में दो सिलेंडर फ्री दिए जाएंगे। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन दोगुनी करने का वादा भी किया गया है।

## अडानी समूह मामले की जांच के लिए जयराम ने आरबीआई-सेबी को लिखा पत्र

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास और सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच को दो अलग-अलग पत्र लिखकर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अडानी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों की जांच की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह पत्र ट्विटर पर साझा किए हैं। दास को लिखे पत्र में रमेश ने आग्रह किया कि रिजर्व बैंक को सुनिश्चित करना चाहिए कि अडानी समूह पर मौजूदा कर्ज और भविष्य में मिलने वाले कर्ज के चलते भारत की बैंकिंग प्रणाली अस्थिर न हो जाए। उन्होंने दोहराया कि अडानी समूह के खिलाफ लगाए गए कई आरोपों की एक पूर्ण स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए।

जयराम रमेश ने रिजर्व बैंक द्वारा दो पहलुओं की जांच कराए जाने का आग्रह किया है। पहला यह कि अडानी समूह का कुल कितना कर्ज भारतीय बैंकिंग प्रणाली से जुड़ा है और दूसरा यह कि अडानी समूह ने इसको लेकर क्या प्रत्यक्ष और परोक्ष गारंटी दी कि विदेशी कर्ज नहीं मिलने पर भारतीय बैंक उसे प्रोत्साहन देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विदेशी वित्त के स्थान पर कोई भारतीय बैंक पैसा नहीं लगाएं।

रमेश ने सेबी प्रमुख को लिखे पत्र में कहा कि अडानी समूह के खिलाफ लगे आरोपों से परेशान हैं। उनका कहना है कि कई भारतीय कानूनों के उल्लंघन की आशंका के साथ यह उन सब बातों के खिलाफ जाता है जिनके लिए सेबी है। उन्होंने कहा, हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप जांच कराएं और इसको लेकर पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करें कि अडानी समूह की कंपनियों में कौन निवेश कर रहा है।

कांग्रेस नेता ने पत्र में सवाल उठाया है कि भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक जैसे राष्ट्रीय महत्व के वित्तीय संस्थानों ने अडानी समूह की इक्विटी को भारी मात्रा में क्यों खरीदा है, जब अधिकांश निजी फंड गंभीर रूप से अंडरवेट थे। जयराम रमेश ने पत्र में दावा किया कि एलआईसी, जिस पर 30 करोड़ भारतीय अपनी जीवन भर की बचत का भरोसा करते हैं, ने हाल के दिनों में अडानी समूह के शेयरों में हजारों करोड़ रुपये खो दिए हैं। बकौल जयराम, क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि ऐसे सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थान अपने निजी क्षेत्र के समकक्षों की तुलना में अपने निवेश में अधिक रूढ़िवादी हैं और ऊपर से दबाव से मुक्त हैं?

## 25 को पटना में होंगे शाह तो पूर्णिया में नीतीश

**नईदिल्ली।** 25 फरवरी को बिहार की राजनीति काफी गर्म रहने वाली है। 25 को सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता आमने-सामने होंगे। ऐसे में वार पलटवार का जबरदस्त दौर भी देखने को मिलेगा। खबर के मुताबिक महागठबंधन 7 पार्टियों के साथ पूर्णिया में महारैली कर रहा है जिसमें नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। तो वहीं भाजपा अमित शाह की रैली वाल्मीकि नगर और पटना में कर रही है। कहीं ना कहीं दोनों ओर से अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की जाएगी। दोनों ही तरफ से भीड़ जुटाने को लेकर अब कोशिशें शुरू हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिस की सभा में ज्यादा भीड़ होगी उसको लेकर पूरे बिहार में एक अलग संदेश जाएगा।

25 फरवरी को अमित शाह पटना में स्वामी सहजानंद सरस्वती जयंती समारोह में शिरकत करेंगे। इसके बाद वह वाल्मीकि नगर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। अमित शाह की इस रैली को लेकर भाजपा ने अपने बड़े नेताओं को अलग-अलग टास्क दे दी है। दूसरी ओर नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सात दलों के साथ महागठबंधन महारैली पूर्णिया में करने जा रहे हैं। महागठबंधन अब किसी भी कीमत में भाजपा से कमजोर नहीं दिखना चाहेगी। यही कारण है कि महागठबंधन की ओर से भी इस रैली को लेकर जबरदस्त तैयारियां की जा रही है। महागठबंधन की रैली में बिहार के कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

## टीम इंडिया आईसीसी रैंकिंग के तीनों फॉर्मेट में नंबर-1

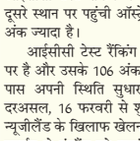

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया पर नागपुर टेस्ट में बड़ी जीत का फायदा टीम इंडिया को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी मिला है। भारतीय टीम ताजा जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई है। ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद भारत के आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में 115 अंक हो गए हैं। दूसरे स्थान पर पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम से ये चार अंक ज्यादा है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है और उसके 106 अंक है। हालांकि इंग्लैंड के पास अपनी स्थिति सुधारने का भी मौका है। दरअसल, 16 फरवरी से शुरू हो रहे टेस्ट में उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। इस मैच में बेहतर प्रदर्शन से इंग्लैंड को प्वाइंट टेबल में फायदा हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया पर जीत में अहम भूमिका निभाने वाले रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की रैंकिंग में भी बड़ा उछाल आया है। वहीं, फिलहाल भारतीय टीम क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में अभी नंबर-1 पर है।

अश्विन गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने के करीब पहुंच गए हैं जबकि जडेजा रैंकिंग में ऊपर गए हैं। दोनों स्पिनरों ने नागपुर टेस्ट में संयुक्त रूप से 15 विकेट झटके थे और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को भारत की जीत में रोड़ा अटकाने का कोई मौका नहीं दिया। अश्विन ने नागपुर टेस्ट की दूसरी पारी में 37 रन देकर पांच विकेट लिए थे। वहीं पहली पारी में 42 रन देकर तीन विकेट झटके थे। वर्तमान में, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस रैंकिंग में शीर्ष पर हैं लेकिन अश्विन उनसे सिर्फ 21 रेटिंग अंक पीछे रह गए हैं। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार वेस्टइंडीज के उभरते हुए स्पिनर गुडाकेश मोती जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 19 विकेट लेकर केवल तीन टेस्ट के बाद 77 स्थान की छलांग लगाकर 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 243 अंक मजबूत निफ्टी 18 हजार के पार

**नईदिल्ली।** स्टॉक मार्केट में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख रहा जिससे बीएसई सेंसेक्स 243 अंक की बढ़त लेकर बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में गिरावट के साथ 60,990.05 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 61,352.55 के उच्चतम और 60,750.32 के निचले स्तर तक गया। अंत में सेंसेक्स 242.83 अंक या 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 61,275.09 पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र यानी मंगलवार को सेंसेक्स 600 अंकों की बढ़त लेकर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 86 अंक या 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,015.85 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 की 37 कंपनियों के शेयर हरे जबकि 13 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

## भारत से लड़ाकू विमान खरीदने मिस्र और अर्जेंटीना के साथ बातचीत जारी

**नईदिल्ली।** भारत में ही विकसित हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस की खरीद में अर्जेंटीना और मिस्र समेत कई देशों ने रुचि जाहिर की है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अध्यक्ष सी बी अनंतकृष्णन ने एयरो इंडिया-2023 से इतर कहा कि भारत तेजस विमानों की संभावित आपूर्ति के लिए अर्जेंटीना और मिस्र दोनों से बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि मिस्र को 20 विमानों की जरूरत है, जबकि अर्जेंटीना ने 15 लड़ाकू विमान खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। तेजस विमान में दिलचस्पी दिखाने वाले देशों में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपीन भी शामिल हैं। एचएएल द्वारा निर्मित तेजस एकल-इंजन मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है जो बेहद चुनौतीपूर्ण वातावरण में संचालन करने में सक्षम है।

## व्यक्तिगत और कारोबारी 31 जुलाई तक भर सकते हैं रिटर्न

**नई दिल्ली।** आयकर विभाग ने 2022-23 (आकलन वर्ष 2023-24) के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म जारी कर दिया है। इस बार आईटीआर-2 के कॉलम सात में क्रिप्टोकरेंसी जैसी वर्चुअल कमाई की जानकारी देनी होगी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने 10 फरवरी को एक अधिसूचना के माध्यम से फॉर्म जारी किया। हर साल अमूमन मार्च के अंत या अप्रैल के पहले हफ्ते में इसे जारी किया जाता है। आईटीआर फॉर्म में वर्चुअल डिजिटल संपत्ति के लिए नए शेड्यूल में विवरण की जरूरत होती है। जैसे, अधिग्रहण की तारीख, ट्रांसफर की तारीख, अधिग्रहण की लागत आदि शामिल हैं। वीडीए से आय या लाभ अर्जित करने वालों को अब इन सभी विवरणों के साथ तैयार रहना चाहिए। बोर्ड ने कहा कि इसे 10 फरवरी को ही जारी किया गया था। इसमें एक से छह तक के फॉर्म होते हैं। साथ ही एक सत्यापन फॉर्म भी है। कारोबारी और व्यक्तिगत करदाता इसे 31 जुलाई तक भर सकते हैं।

## एसबीआई ने एफडी पर बढ़ाया इंटरेस्ट रेट

**नई दिल्ली।** देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के ग्राहकों के लिए अच्छी खबर है। बैंक ने एफडी पर ब्याज दर में पांच से 25 बेसिस पॉइंट तक की बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी दो करोड़ रुपये से कम की एफडी पर लागू होगी। बढ़ी हुई दरें 15 फरवरी से लागू हो गई हैं। साथ ही बैंक ने 400 दिन की एक स्पेसिफिक टेन्योर स्कीम शुरू की है जिसमें ब्याज दर 7.10 फीसदी रखा गया है। यह स्कीम 31 मार्च तक वैलिड रहेगी। आरबीआई ने हाल में रेपो रेट में 25 बीपीएस की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद एसबीआई ने एफडी पर रेट बढ़ाया है। साथ ही बैंक ने एमसीएलआर में भी 10 बीपीएस की बढ़ोतरी की है। एसबीआई ने इससे पहले 13 दिसंबर को कुछ चुनिंदा टेन्योर के लिए एफडी पर ब्याज दर में 65 बीपीएस की बढ़ोतरी की थी।

# आर्थिक संकट के दौर में भारत के लिए बड़ा मौका

**अभिनय आकाश**

चीन की पुरानी नीति है कि जिससे भी वो व्यापारिक दृष्टिकोण के लिहाज से नजदीकियां बढ़ाता है उसे चूना जरूर लगा देता है। ऐसा कोई सगा नहीं है जिसे ड्रैगन ने ठगा नहीं है। जिसकी सबसे बड़ी मिसाल बनकर इन दिनों पाकिस्तान की बदहाली और कंगाली की दांस्ता सामने आई है। जिसके पीछे भी चीन का ही बहुत बड़ा हाथ है। आज पाकिस्तान के कुल कर्ज का 30% हिस्सा चीन से लिया हुआ कर्ज है। चीन के सस्ते कर्ज के जाल के बारे में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ लंबे समय से आगाह करते आ रहे हैं, लेकिन फिर भी श्रीलंका और पाकिस्तान इस जाल में फंसे और बरबादी के मुहाने पर जा पहुंचे। ऐसा ही कुछ नजारा बीते दिनों एक और भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका का देखने को मिला था। चीन ने श्रीलंका में काफी निवेश किया। यही निवेश श्रीलंका के लिए गले की फांस बन गया। इन सब के बीच हमारे पते की बात यानी भारत के लिए बेहतरी का मौका कैसे है?

कहते हैं कि किसी को अपना गुलाम बनाना है तो उसके सिर्फ दो ही तरीके हैं। या तो उसे जंग के मैदान में मात तो या फिर उसे इतना कर्ज दो कि वो कभी लौटा ही न सके। चीन इसी नीति पर काम कर रहा है जिसे दुनिया विस्तारवाद कहती है। चीन का मकसद बेल्ट एंड रोड परियोजना के जरिये पूरी दुनिया को चीन से जोड़ने का है। इसके लिए वो कई देशों में भारी मात्रा में निवेश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो इसके तहत उसने सलाना 85 अरब डॉलर के करीब खर्च किए हैं। चीन की महत्वकांक्षा अब 42 देशों के लिए मुसबीत बनती जा रही है।

चीन ऐसा देश है जो किसी पर अपना हाथ रख दे तो उसे कंगाल बना देता है। क्योंकि चीन का कर्ज और उस देश की कंगाली दिन-दूनी रात चौगुनी बढ़ती है।

सालभर पहले श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार 5 अरब डॉलर से ज्यादा हुआ करता था और यह वह 1 अरब डॉलर तक आ चुका है। डॉलर का भाव 200 श्रीलंकाई रुपए से भी ज्यादा हो गया। श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय ट्रेड रूट में काफी अहम रोल रखता है। शायद यही वजह है कि 2000 से 2020 के बीच चीन ने श्रीलंका को करीब 12 बिलियन डॉलर बतौर कर्ज दिए। चीन कर्ज के एवज में हमेशा जमीन हड़प लेता है। जैसा कि उसने तीन साल पहले श्रीलंका में हंबनटोटा पोर्ट पर किया था। श्रीलंका की भौगोलिक स्थिति उसे हिंद महासागर में एक रणनीतिक महत्व देती है और इसी वजह से चीन उसपर नजर बनाए हुए है।

जनवरी 2023 तक पाकिस्तान का कुल कर्ज 62.46 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपया (274 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के आसपास है। जो पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद (ब्रद्धक्क) का लगभग 79 प्रतिशत है। अक्टूबर, 2022 की आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान का विदेशी कर्ज 100 बिलियन डॉलर के ऊपर है और इसमें से 30 बिलियन डॉलर से ज्यादा कर्ज चीन का दिया हुआ है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घटता जा रहा है। अप्रैल 2021 में पाकिस्तान के पास 15.6 विदेशी मुद्रा भंडार था। दिसंबर 2022 आते-आते ये 5 के सिंगल डिजिट में सिमट गया। वहीं तीन फरवरी को खत्म हुए सप्ताह में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 2.91 अरब डॉलर रह गया है।

एशिया के दो प्रमुख देशों की अर्थव्यवस्था एकाएक रासतल पर आ गई है। दोनों के ही संकट में चीन की कर्ज नीति का अहम रोल है। श्रीलंका को संकट से उबारने के लिए भारत ने 3.9 बिलियन डॉलर की मदद देने का भी ऐलान किया। ऐसे में एशियाई देशों के बीच भारत एक मजबूत और भरोसेमंद अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आया है। डॉलर पर बढ़ती निर्भरता को कम करने के लिए भारत काफी वक्त से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में रुपये का इस्तेमाल करना चाहता है। मगर दुनिया का ज्यादातर व्यापार डॉलर में ही होता है। ईरान जैसे कुछ देशों से भारतीय व्यापार रुपये में हुआ है। जिसकी वजह ईरान पर अमेरिका का प्रतिबंध हैं। अब भारत ने श्रीलंका के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। इन कदमों में दोनों देश के बीच व्यापार रुपये में होगा। इससे भारतीय करेंसी का आधार और मजबूत होगा और अंतरराष्ट्री मुद्रा बाजार में ज्यादा स्थिरता आएगी।

# सत्ता का फैसला चुनाव मैदान में होता है

**नीरज कुमार दुबे**

सरकार की खिलाफत करना विपक्ष का काम होता है लेकिन यह खिलाफत लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहकर ही की जानी चाहिए। बात जरा देश की मुख्य विपक्षी और भारत की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस की करते हैं। भारत को सर्वाधिक प्रधानमंत्री देने वाली कांग्रेस पार्टी का इतिहास देखेंगे तो पाएंगे कि जब भी गांधी परिवार के पास प्रधानमंत्री का पद रहा तब तक तो कांग्रेस के लोग इस पद पर बैठे व्यक्ति का सम्मान करते रहे लेकिन यदि गांधी परिवार से बाहर किसी व्यक्ति के पास पद रहा तो उसके प्रति असम्मान प्रकट किया जाता रहा। नरसिंह राव कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे लेकिन उनकी कैबिनेट के अधिकांश मंत्रियों की निष्ठा %दस जनपथ% के प्रति थी। यही नहीं, त्याग का दिखावा करते हुए डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री पद सौंपा तो गया लेकिन क्या वह फैसले लेने के लिए स्वतंत्र थे, यह सवाल उनके पूरे कार्यकाल में बना रहा। उनके मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू ने अपनी पुस्तक में जो खुलासे किये वह दर्शाते हैं कि सरकार दस जनपथ से ही चल रही थी। यही नहीं, प्रधानमंत्री के रूप में जब मनमोहन सिंह आधिकारिक विदेश यात्रा पर थे तब राहुल गांधी ने उनकी सरकार का आर्डिनेंस सरेआम फाड़ दिया था। समय बदला....कांग्रेस के हाथ से सत्ता छिनी और भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनी तो यह कांग्रेस को कैसे स्वीकार हो सकता था।

नरेंद्र मोदी को चाय वाला कह कर उनका मजाक उड़ाने वाली कांग्रेस ने उनकी छवि पर हमले करने के प्रयास जो पहले दिन से शुरू किये थे वह आज तक जारी हैं। फर्क सिर्फ इतना आया है कि पहले कांग्रेस के नेता अपने बयानों के जरिये नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाते थे या उन पर हमला करते थे लेकिन इससे नुकसान होता देख उन्होंने अपनी रणनीति बदली और इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जाने लगा। आप कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडलों को देखिये लगातार कार्टूनों के जरिये या अन्य तरीकों से प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित बातें कही जा रही हैं। शायद कांग्रेस का सोशल मीडिया विभाग और उसके प्रमुख राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाह रहे हैं ताकि इस माह छत्तीसगढ़ में होने वाले कांग्रेस के महा अधिवेशन के बाद जब पार्टी में पदों का बंटवारा हो तो सोशल मीडिया चलाने वालों को भी ज्यादा से ज्यादा लाभ हो। कांग्रेस के सोशल मीडिया मंचों पर आप निगाह डालेंगे तो यहां मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी या कांग्रेस की राज्य सरकारों के मुख्यमंत्रियों के एकाध फोटो ही दिखेंगे। हर चैनल और हर समाचार-पत्र में मोदी की ही फोटो क्यों छाई रहती है, यह सवाल उठाने वाली कांग्रेस के सोशल मीडिया मंचों पर भी मोदी की तस्वीरों की ही बहार देखने को मिलती है।यही नहीं, कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंचों पर अपनी एक बड़ी फौज भी खड़ी की है जो मोदी सरकार के खिलाफ माहौल बनाने में जुटी हुई है। सोशल मीडिया पर कांग्रेसी फौज के सिपाही हर घंटे सरकार के खिलाफ नकारात्मक बातें पोस्ट कर रहे होते हैं या फिर सरकार के किसी फैसले पर सवाल उठा रहे होते हैं।

# मुस्लिमों को साथ जोड़ने से दिक्कत क्यों?

**ललित गर्ग**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास का नारा दिया था। वे समय-समय पर इस जरूरत को रेखांकित करते हैं और इसी के मुताबिक योजनाएं तैयार करने का प्रयास भी करते रहे हैं। अभी मुंबई में दाऊदी बोहरा समुदाय के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर जिस तरह उन्होंने इस समुदाय के साथ अपने दशकों पुराने संबंध का उल्लेख किया, उससे एक बार फिर यही जाहिर हुआ कि वे मुस्लिम समुदाय से भी उतना ही जुड़ाव महसूस करते हैं, जितना दूसरे समुदायों से। वे बार-बार रेखांकित कर चुके हैं कि देश का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक मुस्लिम समुदाय को भी साथ लेकर न चला जाए। पिछले कुछ वक्त से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत भी मुस्लिम बुद्धिजीवियों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। वह इमामों से मिलने मस्जिद भी गए और मदरसे जाकर बच्चों से मुलाकात की। संघ इसे सामान्य संवाद बता रहा है। मगर, यह साफ है कि संघ मुस्लिमों से संवाद बढ़ा रहा है। केंद्र में सत्ताधारी पार्टी भाजपा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ही राजनीतिक इकाई है। निश्चित ही सर्वधर्म सद्भाव एवं साम्प्रदायिक सौहार्द ही एक आदर्श राष्ट्र की प्रमुख अपेक्षा है, इसी तरह कल्याणकारी सरकार का पहला गुण यही है कि वह सभी समुदायों को साथ लेकर चले और सबके लिए समान विकास की योजनाएं बनाए।

क्या मोदी का मुसलमानों से नजदीकी बढ़ाने एवं उनके विकास की योजनाओं की बात करना राजनीति स्वार्थ है, या वे एक आदर्श राष्ट्रनायक के रूप में सचमुच मुसलमानों का विकास चाहते हैं। यह बड़ा सच है कि देश में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत से सरकार बनानी हो तो मुस्लिम वोट इस मामले में निर्णायक साबित होते हैं। इसी के चलते भाजपा ने भी केंद्र में अपनी सरकार की रचना के लिए पिछले कुछ वर्षों से मुस्लिमों की तरफ ध्यान केंद्रित किया है। इसी की तहत भाजपा ने मुस्लिम महिलाओं से जुड़े तीन तलाक को बैन करके उन्हें अपने से जोड़ा था। दाऊदी बोहरा समुदाय के आयोजनों में भाग लेना क्या यह सब मुस्लिमों की सहानुभूति प्राप्त करने के प्रयास थे? मोदी इस प्रयास में कहां तक सफल हो पाए। मोदी ने हाल ही में दिल्ली में भाजपा कार्यकारिणी की बैठक में कहा था 'मुस्लिम समुदाय के बोहरा, पसमांदा और पढ़े-लिखे लोगों तक हमें सरकार की नीतियां लेकर जानी हैं। हमें समाज के सभी अंगों से जुड़ना है और उन्हें अपने साथ जोड़ना है।' इससे पूर्व 3 जुलाई 2022 को हैदराबाद में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी प्रधानमंत्री मोदी ने पसमांदा मुस्लिमों के लिए स्नेह यात्रा की घोषणा की थी। इस यात्रा का मकसद पसमांदा मुस्लिमों के घर-घर पहुंच कर भाजपा से जोड़ने की पहल करना था। %पसमांदा' शब्द फारसी भाषा से लिया गया है, जिसका मतलब है- समाज में पीछे छूट गए लोग। भारत में पिछड़े और दलित मुस्लिमों को पसमांदा कहा जाता है। इन पसमांदा मुस्लिमों को विकास की राह पर अग्रसर करने की सोच निश्चित ही नये भारत की आधारभित्ति बन सकती है।

मोदी की ही तरह संघ प्रमुख मोहन भागवत भी जोड़ने की बात कर रहे हैं, दोनों ही नायक नया भारत निर्मित करने को तत्पर हैं। दोनों के विचारों में सशक्त भारत एवं स्वदेशी की भावना को बल देने पर जोर है। लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इसकी तैयारियों में भाजपा जुट गई है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इसके लिए प्राथमिक रणनीति भी बना ली गई। अभी तक यही तथ्य है कि मुसलमान मतदाता भाजपा से दूरी बनाए रखते हैं। कई जगहों पर इसका नुकसान भी भाजपा को उठाना पड़ता है। इस दृष्टि से कुछ लोग कह सकते हैं कि चुनाव नजदीक आता देख प्रधानमंत्री मुसलमानों को अपने पाले में करने के लिए ऐसा कह रहे हैं और उनके कार्यक्रमों में भी शिरकत कर रहे हैं? भले राजनीतिक लाभ के लिये ही मोदी ऐसा कर रहे हों, लेकिन इससे सदियों से हिन्दू-मुसलमानों के बीच बनी नफरत, द्वेष, घृणा, साम्प्रदायिक कट्टरता एवं हिंसा कम होती है तो यह राष्ट्र की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

संभवत: आजादी के बाद से ही तमाम राजनीतिक दल हिन्दू-मुसलमान के बीच दूरियां बढ़ा कर अपने राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकते रहे हैं। अब यदि कोई नायक इन दूरियों को वास्तव में कम करते हुए उनके विकास की बात कर रहा है तो इसकी गहराई को समझना चाहिए। संघ के प्रमुख मोहन भागवत कई मौकों पर कह चुके है कि भारत में रहने वाले सभी हिंदू हैं। संघ मुस्लिमों से लगातार कहता रहा है कि उनके पूर्वज हिंदू थे। संघ प्रमुख ने हिंदू समुदाय की मानसिकता को तैयार करने के लिए ही बयान दिया कि मुस्लिम समुदाय और हमारा डीएनए एक है। साथ ही यह भी कि हर मस्जिद में शिवलिंग नहीं ढूंढ़ना चाहिए। निश्चित ही इन बयानों के माध्यम से सौहार्द पनपाने की कोशिशें हो रही हैं। यह तय है कि औद्योगिक उत्पादन में मुस्लिम समुदाय का बड़ा योगदान है, जिसे अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। अनेक ऐसे पेशे हैं, जो इसी समुदाय के बल पर टिके हुए हैं, उन्हें विकास की कड़ी से हटाया नहीं जा सकता। प्रधानमंत्री इस हकीकत से वाकिफ हैं, पर भाजपा के दूसरे नेता और कार्यकर्ता इसे स्वीकार करें एवं दूरियां मिटाने की कोशिशें हों तभी सशक्त एवं नया भारत बन पायेगा। मुसलमान हो या हिन्दू, उपद्रव, नफरत, हिंसा एवं साम्प्रदायिक विद्वेष की मानसिकता से सबको बाहर आना चाहिए।

जहां सहयोग की आवश्यकता रहती है वहां जीवन कृतार्थ होता है। भेद से कुछ बिगड़ता नहीं, बशर्ते कि भेद से लाभ उठाकर सहयोग चलाने की शक्ति और वृत्ति सर्वत्र हो। मोदी और भागवत इसी भेद को ताकत बनाने में जुटे हैं, इसलिये उनके प्रयत्नों का स्वागत होना चाहिए। लेकिन भारत में राजनीतिक दलों ने अंग्रेजों की मानसिकता को बल देते हुए फूट डालो, शासन करो, पर भारत की राजनीति को पनपाया है। इसी से दोनों कोमों के बीच जहां खुदगर्जी, ईर्ष्या, आग्रह, अभिमान, शोषण और तज्जनित संघर्ष आया, वहां सब कुछ बिगड़ने लगा। दुनिया के साथ-साथ भारत में ये सामाजिक एवं साम्प्रदायिक दोष जोरों से बढ़ रहे हैं, इसलिए किसी न किसी कारण को आगे करके लोग लड़ने लगते हैं, एक-दूसरे से नाजायज लाभ उठाना चाहते हैं और जीवन को विषमय बना देते हैं। ऐसे लोग बातचीत में जीवन को भी जीवन-कलह कहते हैं। और कहते हैं, कलह तो जीवन का अनिवार्य कानून है। इस सिद्धांत का प्रचलन इतना बढ़ा कि सज्जन मनीषियों को उसका प्रतिरोध करने के लिए इस आशय के ग्रंथ लिखने पड़े कि जीवन में अगर कलह है तो उससे बढ़कर परस्पर सहयोग भी है, जिसके बिना जीवन का विकास हो ही नहीं सकता। इसी परस्पर सहयोग को मोदी आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसको राजनीतिक ही नहीं, मानवीय दृष्टि से देखने की जरूरत है।

'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारतीय संस्कृति के मूलमंत्र को साधने की प्रक्रिया भौगोलिक नहीं है, वह मानसिक और भावात्मक है। अगर हमारा दिल तथा दिमाग व्यापक है, उदार व प्रगतिशील है, तो घर-बैठे हम दुनिया की दोस्ती तथा मुहब्बत का रस चख सकते हैं। हमारे संतों ने ठीक ही कहा है- ''मन चंगा तो कठौती में गंगा।'' आचार्य विनोबा लंबे अर्से तक भारत में ग्रामदान-आंदोलन का कार्य करते रहे। वे यही समझते थे कि गांव, देश व दुनिया में पारिवारिक भावना जाग्रत होनी चाहिए। एक कुटुम्ब का बुजुर्ग यह नहीं सोचता कि अगर उसकी सीमित आमदनी है तो कुछ बच्चों को भरपेट भोजन दिया जाए और शेष को आधे-पेट ही या भूखे रखा जाए। वह तो सबको एक निगाह से देखता है। देश के अभिभावक की दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी सबको समान नजर से देख रहे हैं, सबका विकास चाहते हैं तो इसमें गलत क्या है?

काफी वर्षों पहले कवि इकबाल ने कहा था, ''खुदा तो मिलता है, इंसान नहीं मिलता।'' आज इंसान को इंसान की ही कद्र नहीं है। इस वातावरण को बुनियाद से बदलना जरूरी है। यह काम है तो कठिन, लेकिन उसे पूरा करना ही होगा। आज इंसान को इंसान से जोड़ने वाले तत्व कम हैं, तोड़ने वाले अधिक हैं। इसी से आदमी, आदमी से दूर हट गया है। उन्हें जोड़ने के लिए प्रेम चाहिए, करुणा चाहिए और चाहिए एक-दूसरे को समझने की वृत्ति एवं सौहार्द भावना। ये सब मानवीय गुण आज तिरोहित हो गये हैं और इसी से आदमी के बीच चौड़ी खाई पैदा हो गयी है। सब अपने-अपने स्वार्थ में लिप्त हैं। पिता, पुत्र, भाई के बीच भी वह सौमनस्य दिखाई नहीं देता, हिन्दू-मुस्लिम के बीच सौहार्द दिखाई नहीं देता, जो दिखाई देना चाहिए। इसको देखने की भावना एवं मानसिकता विकसित हो, इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी दाऊदी बोहरा समुदाय के बीच गये और इसे विकसित करने के लिये ही उन्होंने पसमांदा मुस्लिमों के लिए स्नेह यात्रा की घोषणा की थी।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# ब्रह्मविद्योपनिषद

यह उपनिषद् कृष्ण यजुर्वेद से सम्बद्ध है। इसमें ब्रह्म की प्राप्ति के उपाय और उसके स्वरूप का विशद विवेचन किया गया है। सर्वप्रथम ब्रह्मविद्या के रहस्यभूत प्रणव ब्रह्म का उल्लेख करते हुए प्रणव की चार मात्राओं की विवेचना है। जीव का स्वरूप, बन्ध-मोक्ष का कारण, हंस विद्या द्वारा परमेश्वर की प्राप्ति, सकल और निष्कल ब्रह्म का स्वरूप, केवल शास्त्रीय ज्ञान एवं आचरण से पाप-पुण्य की प्राप्ति, प्रणव- हंस का अनुसन्धान ही प्रत्यक्ष यजन, हंस-मंत्र के अभ्यास से समाधि की प्राप्ति, हंस योग का अभ्यास क्रम तथा हंस योगी द्वारा आत्मा के स्वरूप का चिन्तन इत्यादि विषयों का क्रमश: विवेचन किया गया है। ये सभी विषय 'ब्रह्म' के तात्त्विक स्वरूप को स्पष्ट करते हैं, इसलिए इस उपनिषद् की 'ब्रह्मविद्या' यह संज्ञा सार्थक ही है।

अब ब्रह्मविद्या नामक उपनिषद् का वर्णन करते हैं- अद्भुत एवं श्रेष्ठ कर्म करने वाले विष्णु रूप परब्रह्म की कृपा से ध्रुवाग्नि (अटल अग्नि या ज्ञान) के स्वरूप वाली ब्रह्मविद्या का रहस्य बताया जाता है।

जिस प्रकार ब्रह्म को प्रणव के एक अक्षर के रूप में ब्रह्मज्ञानियों ने कहा है। उसी प्रकार उस (ब्रह्मविद्या) के शरीर स्थान एवं तीन काल का वर्णन करता हूँ ।

ब्रह्म की अक्षरात्मक अभिव्यक्ति से की जाती है, इसलिए ऋषि यहाँ उसको स्पष्ट कर रहे हैं। तत्र देवास्त्रय: प्रोक्ता लोका वेदास्त्रयोऽग्नय: तिस्त्रो मात्रार्धमात्रा च त्र्यक्षरस्य शिवस्य तु उस ओंकार में तीन देवता, तीन लोक, तीन वेद (ऋजु, यजु:, साम) और तीन अग्नियाँ हैं। शिव स्वरूप इस त्र्यक्षर की तीन और आधी मात्राएँ (अकार, उकार, मकार और अनुस्वार) हैं । ब्रह्मज्ञानियों ने 'अ' कार का शरीर ऋग्वेद, गार्हपत्य अग्नि, पृथिवी तत्त्व और ब्रह्मा को बतलाया है । 'उ' कार का शरीर यजुर्वेद, दक्षिणाग्नि, आकाशतत्त्व तथा भगवान् विष्णु को बताया है। 'म' कार का शरीर सामवेद, आहवनीय अग्नि, द्युलोक, ईश्वर और परमदेव को कहा गया है। शिखा तु दीपसंकाशा तस्मिन्नुपरि वर्तते अर्धमात्रा तथा ज्ञेया प्रणवस्योपरि स्थिता जिस तरह से दीपक की शिखा (लौ) ऊपर की ओर रहती है, इसी तरह से प्रणव के ऊपर की अर्द्धमात्रा की स्थिति को जानना चाहिए। दीपक की लौ सदा ऊर्ध्वमुखी होती है। अनुस्वार नासिका मूल मस्तिष्क के उच्च भाग में गुंजरित होता है। इस मात्रा के कारण अ,उ,म्का संयुक्त स्वर ऊर्ध्वोन्मुख हो उठता है, इसलिए इसे ज्योति के अनुरूप कहा गया है। वह शिखा (लौ) पद्म सूत्र के सदृश दृष्टिगोचर होती है। सूर्य सदृश वह नाड़ी सूर्य का भेदन करके तथा बहत्तर हजार नाड़ियों का भेदन करके मूध में प्रतिष्ठित होने वाली सभी प्राणियों को वरदान प्रदान करने वाली एवं सबको व्याप्त करके स्थित रहने वाली है । काँस्य (ताँबा तथा टीन से मिलकर बनी ) धातु निर्मित घण्टे का शब्द जिस प्रकार शान्ति प्रदान करता हुआ विलीन हो जाता है, उसी प्रकार ? कार की साधना द्वारा सभी तरह की इच्छाएँ शान्त हो जाती हैं। जिस (तत्त्व) में शब्द विलीन हो जाता है, उसे परब्रह्म कहा गया है। जो बुद्धि ब्रह्म में विलीन हो जाती है, वह अमृत स्वरूप ब्रह्म स्वरूप कही गई है। वायु, तेज तथा आकाश इन तीनों से जीव की उपमा दी जाती है। इस जीव का प्रमाण (आकार) बाल की नोक का सौवाँ भाग (अति सूक्ष्म) कल्पित किया गया है। वह (जीव) विश्व (संज्ञक), शुद्ध तत्त्व, निर्मल स्वरूप नाभि प्रदेश (नाभिक-न्यूक्लियस) में प्रतिष्ठित है।

**क्रमश:**

# माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर

आमतौर पर कोई संप्रदाय या संगठन अपने संस्थापक की विचारधारा को ही आगे ले जाता है और संस्थापक के बाद वाली पीढ़ी के लिए संस्थापक से बेहतर कर पाना तो दूर उसकी तरह प्रभावशाली होना भी असंभव होता है। लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कोई आम संगठन है भी तो नहीं। और उपरोक्त मामले में भी वह दूसरे संगठनों से अलग है। संघ की स्थापना 1925 में डॉ केशव बलिराम हेडगेवार ने की लेकिन इस पर उनके उत्तराधिकारी माधव सदाशिव गोलवलकर की छाप ज्यादा है। संघ के भीतर हेडगेवार को डॉक्टर जी और गोलवलकर को गुरुजी पुकारा जाता है।

1940 में हेडगेवार की मृत्यु के बाद गोलवलकर 1973 तक, यानी मृत्युपर्यंत संघ के सरसंघचालक अथवा प्रमुख रहे। जब गोलवलकर सरसंघचालक बने उस वक्त संघ स्वयं को स्थापित कर रहा था और महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से बाहर इसका बहुत सीमित प्रभाव था। उनके नेतृत्व में संघ बड़े उथलपुथल के दौर से गुजरा। विभाजन की हिंसा में उसकी भूमिका सवालिया थी और मोहनदास

गांधी की हत्या के बाद उस पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके बावजूद वह गोलवलकर का नेतृत्व ही था जिसमें आरएसएस ने अपना लिखित संविधान बनाया और अपनी शाखाओं या स्थानीय इकाइयों से बाहर विस्तार किया। उनके नेतृत्व में संघ के खुले संगठन, जैसे राजनीति के लिए जन संघ, छात्रों के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हिंदू धर्म के लिए विश्व हिंदू परिषद और औद्योगिक मजदूरों के लिए भारतीय मजदूर संघ का गठन हुआ।

गोलवलकर के निधन तक संघ संपूर्ण भारत में विस्तार कर चुका था और उससे संबद्ध संगठनों या संघ परिवार का संजाल भारतीय समाज के सभी स्तरों पर पैठ बना चुका था। उनका वैचारिक प्रभाव उनकी मौत के साथ समाप्त नहीं हुआ। आज भी गोलवलकर के लेखों और भाषणों का संकलन बंच ऑफ थॉट्स संघ की भगवद् गीता है। 2004 में आरएसएस के प्रमुख विचारक एमजी वैद्य ने एक ऐसी बात की जिसे हम गोलवलकर के बारे में आरएसएस का आधिकारिक दृष्टिकोण मान सकते हैं। आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर के अनुसार वैद्य ने श्री गुरुजी को 20वीं शताब्दी में हिंदू समाज के लिए सबसे बड़ा उपहार कह कर परिभाषित किया। वैद्य के अनुसार राष्ट्रीय राजनीति में जो संघ का महत्व आज है उसका श्रेय श्री गुरुजी को दिया जाना चाहिए जिनके अथक प्रयास के कारण संघ देश के कोने कोने में पहुंचा पाया।

जून के शुरू में नागपुर के उनके आवास में मैंने वैद्य से मुलाकात की। अपने लिविंग रूम में, जिसमें किताबों का अंबार लगा था, उन्होंने मुझसे तकरीबन एक घंटे तक बातचीत की। वैद्य बताते हैं कि गोलवलकर ने संघ को नया उद्देश्य देकर प्रेरित किया। उन्होंने कहा हमें समाज के एक पक्ष को नहीं देखना चाहिए बल्कि सम्पूर्ण समाज को संगठित करने का यत्न करना चाहिए। जीवन में शिक्षा, उद्योग, कृषि, धर्म जैसे बहुत सारे क्षेत्र है। हमें इन सभी क्षेत्रों के लोगों को प्रेरित और संगठित करना चाहिए।

# भारत से गुस्सा दिखाने पाकिस्तान का नया बहाना...

**राजेश बादल**

एक बार फिर पाकिस्तान ने हिंदुस्तान से नाराज होने का नया कारण खोज लिया है। उसे तकलीफ है कि भारत उसके खूबसूरत पड़ोसी पहाड़ी देश अफगानिस्तान में दखल दे रहा है? भारत से उसे ऐतिहासिक कुढ़न है, जिसे वह अपने सर्वनाश की कीमत पर भी नहीं छोड़ना चाहता। भारत से गुस्सा दिखाने के लिए उसे हमेशा एक न एक बहाने की जरूरत होती है। अब उसने अफगानिस्तान के मसले पर मॉस्को शिखर बैठक का बहिष्कार किया है।

पिछले सप्ताह रूस में जब भारत के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल अफगानिस्तान में सुरक्षा के मसले पर पांचवीं शिखर बैठक में पहुंचे तो उसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अलावा चीन, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधि मौजूद थे। अफगानिस्तान को इस बैठक के लिए आमंत्रण नहीं भेजा गया था।

कारण यह था कि अभी तक तालिबान सरकार को किसी देश ने मान्यता नहीं दी है। लेकिन शिखर वार्ता के एजेंडे पर अफगानिस्तान को पहले ही भरोसे में लिया गया था। शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान की कुर्सी खाली पड़ी रही। यह देश पांच में से तीन वार्ताओं में शामिल नहीं हुआ है। तीसरी बैठक भारत में हुई थी। उसमें भी पाकिस्तान और चीन ने हाजिरी नहीं लगाई थी।

पाकिस्तान ने मॉस्को वार्ता से अपनी अनुपस्थिति का मासूम सा कारण बताया। उसके विदेश विभाग की प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान उन्हीं बैठकों में शामिल होना पसंद करता है, जिनमें अफगानिस्तान की सुरक्षा और शांति पर सकारात्मक बातचीत होती है। यानी पाकिस्तान का निष्कर्ष है कि जिस चर्चा में रूस, चीन, ईरान और भारत जैसे बड़े मुल्क शामिल हों, वह नकारात्मक ही होगी।

दरअसल भारत के इस स्थायी आलोचक को नाराजगी है कि ईरान ने अफगानिस्तान के मसले पर इस धारावाहिक श्रृंखला की शुरुआत क्यों की? ईरान शिया बहुल मुस्लिम मुल्क है और शियाओं से पाकिस्तान की चिढ़ जगजाहिर है। बीते दिनों ईरान ने अपना बकाया भुगतान पाकिस्तान से मांगा था।

पाकिस्तान के लिए इस समय कोई भी कर्ज चुकाना संभव नहीं है। इसके अलावा अफगानिस्तान से मजबूत कारोबारी संबंध बनाए रखने के लिए ईरान ने भारत की सहायता से चाबहार बंदरगाह बनाया था। इसका मकसद ईरान, रूस और भारत के बीच व्यापार को सुगम बनाना था। चीन और पाकिस्तान इस बंदरगाह के कारण असहज थे। उन्हें लगता है कि ग्वादर बंदरगाह के जवाब में चाबहार बनाया गया है, जो उनकी निगरानी कर सकता है।

इस वजह से ईरान ने अफगानिस्तान में सामान्य हालात बहाल करने के लिए इन शिखर बैठकों की पहल की। बैठकों में भारत की सक्रिय उपस्थिति ने पाकिस्तान को बहिष्कार का फैसला लेने पर बाध्य कर दिया। तीसरा कारण अफगानिस्तान की तालिबानी हुकूमत से इन दिनों उसके संबंधों में आया तनाव है।

जब अफगानिस्तान से नाटो सेना की वापसी हुई और अमेरिका ने तालिबान के साथ समझौता किया तो पाकिस्तान प्रसन्न मुद्रा में था। तालिबान के साथ उसके मधुर रिश्ते रहे हैं। उसका ख्याल था कि अब अफगानिस्तान से भारत दूर हो जाएगा। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने तब औपचारिक बयान दिया था कि उनका देश नहीं चाहता कि अफगानिस्तान में भारत किसी भी रूप में उपस्थित रहे। लेकिन बाद में कहानी उलट गई और तालिबान सरकार ने पाकिस्तान से ही दूरी बना ली।

इन दिनों दोनों देशों की सीमा पर गंभीर तनाव है। गोलीबारी में कई पाकिस्तानी जवान मारे जा चुके हैं। तालिबान ने हाल ही में पाकिस्तान को 1971 की याद दिलाई थी। उसने कहा था कि पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमला करने की जुर्रत न करे। क्या ही दिलचस्प है कि जो देश एक समय अफगानिस्तान की धरती से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले संचालित करता था, अब वही पाकिस्तान कह रहा है कि अफगानिस्तान की धरती से उसके विरुद्ध आतंकवादी आक्रमणों को शह मिल रही है।

अफगानिस्तान बैठक के बाद भारत ने साफ-साफ ऐलान किया कि वह अफगानिस्तान के साथ हमेशा खड़ा रहेगा। इसके मद्देनजर इस साल भारतीय बजट में अफगानिस्तान के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। तालिबान सरकार ने इसका स्वागत किया है।

भारत का उद्देश्य है कि अफगानिस्तान की जमीन का उसके खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जाए, जैसा कि अभी तक पाकिस्तान करता रहा है। पाकिस्तानी फौज के आला अफसर तालिबान के साथ मिलकर अफीम के अवैध कारोबार में लगे हुए हैं। अफीम से हेरोइन बनाने वाली उनकी अपनी छोटी-छोटी रिफाइनरी हैं।

हेरोइन की तस्करी से मिले पैसे से तालिबान नाटो सेना से मुकाबले के लिए हथियार खरीदता रहा है और पाकिस्तानी सेना भारत के खिलाफ आतंकवादियों को प्रशिक्षण देती रही है। अब तालिबान सत्ता में है और अंतरराष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल होने के लिए छटपटा रहा है।

वास्तव में अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के लिए कई वैश्विक मंचों पर कवायद हो रही है। मॉस्को फॉर्मेट भी इसी का हिस्सा है। रूस ने 2017 में इसका आगाज किया था। उसमें सोवियत संघ से टूटे कुछ देशों के अलावा अफगानिस्तान, चीन, भारत, पाकिस्तान, रूस और ईरान भी शामिल रहे हैं। लेकिन उन दिनों अफगानिस्तान में निर्वाचित सरकार थी और तालिबान विद्रोही मुद्रा में था। इसकी दूसरी बैठक में भी अफगानिस्तान से रूस के बाजारों में तस्करी की हेरोइन को रोकना प्रमुख मुद्दा था। बैठक में पाकिस्तान और भारत - दोनों ने हिस्सा लिया था। इसके अलावा कतर में भी दोहा शिखर बैठक इसी मसले पर हुई थी। चीन भी इसी मसले पर अलग कॉन्फ्रेंस कर चुका है। अमेरिका तो कई वार्ताएं कर चुका है। पाकिस्तान इन सभी में शिरकत करता रहा है। उसे सिर्फ भारत के शामिल होने से परहेज है। अफगानिस्तान भारत को छोड़ नहीं सकता। भारत से ही उसे परदेसी मंचों पर मदद की उम्मीद है।

**गांधी आज**

# रामराज्य (भाग-2)

**गतांक से आगे...**

लोगों के प्रेम और समझबूझ कर और बिना डर दिए हुए सहयोग पर अवलंबित रहेगा। उसमें बहुमत या बड़ी जाति अल्पमत या छोटी जाति को बल्कि अल्पगत भी बहुमत जैसी ही स्वतंत्रता भोगेगा और बड़ी जातियों के हित की रक्षा करना अपना फर्ज समझेगी।

यह करोड़ों का और करोड़ों के सुख के लिए चलाने वाला है। उसके विधान में जिसे मुख्य अधिकारी की जगह मिली होगी राजा कहलाता हो, अध्यक्ष कहलाता हो या और कुछ कहलाता हो का सच्चा सेवक होने के नाते ही उस पद पर होगा। प्रजा के प्रेम टिकेगा और उसके कल्याण के लिए ही प्रयत्न करता रहेगा। हन धन पर गुलछरे नहीं उड़ाएगा और अधिकार बल से लोगों को सताएगा किन्तु राजा या तत्वदृश कहलाते हुए भी वह फकीर के मानिंद रहेगा। राम-राज्य का अर्थ है कम से कम राज्य उसमें लोग अपना कुछ व्यवहार परस्पर मिलकर अपने आप चलाएंगे। कानून गढ़-गढ़ अधिकारियों के द्वारा दंड के भय से उनका पालन कराना उसमें लगभग होगा। उसमें सुधार करने के लिए जनता धारासभा या अधिकारियों की रा देखती बैठी न रहेगी। बल्कि लोगों के चलाए सुधारा के अनुकूल पड़नेवाले प्रकार से कानून में सुधार करने के लिए व्यवस्थापिका सभाएं और व्यवस्था करने के लिए अधिकारी यत्न करेंगे। उसमें खेती का धंधा बढ़ती पर होगा और दूसरे सब धंधे उसके सहारे टिकेंगे। अन्न और वस्त्र के विषय में लोग स्वाधीन होंगे और गाय-बैलों की भी समृद्ध दशा होने से आदर्श गो-रक्षा की व्यवस्था होगी।

**क्रमश:...**

## संक्षिप्त समाचार

### नर्सिंग की छात्रा ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट मिला

**रायपुर।** राजधानी में आज फिर एक दुखद खबर सामने आई है,नर्सिंग की पढ़ाई करने वाली छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। चौबे कालोनी में 20 वर्षीय मोनिष्का शारोन मशी का शव फंदे पर लटकता मिला। पुलिस को रूम से एक सुसाइड नोट भी मिला है। युवती मूलत: मुंगेली जिला के रहने वाली थी, अपनी पढ़ाई के चलते पीजी कालेज में दो रूममेट के साथ रह रही थी। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। सूत्रों की मानें तो छात्रा पिछले कुछ दिनों से परिवारिक कारणों को लेकर मानसिक दबाव में थी। मिली जानकारी के अनुसार छात्रा के पिता और माता दोनों एक दूसरे से अलग रहते थे जिसके कारण युवती काफी परेशान रहती थी। दो दिन पहले ही छात्रा की मां से बात हुई थी, अब अचानक मौत की खबर सुनकर परिजन सदमे में है। घटनास्थल से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी प्राप्त हुआ है, जिसमें युवती ने मानसिक परेशानी के चलते ऐसा कदम उठाने के बात लिखी है। इसके अलावा पुलिस ने यह भी बताया कि छात्रा द्वारा खुदकुशी करने के बाद अपने चाहने वालों को शांति के साथ रहने की बात लिखी है। लेकिन किसी को भी अपनी मौत के लिए जिम्मेदार नहीं बताया है। आजाद चौक थाना प्रभारी नितेश ठाकुर ने बताया कि मामले की जांच चल रही है शुरुआती जांच में घटना आत्महत्या प्रतीक हो रहा है आगे और संभावित एंगल से भी जांच किया जाएगा जिसके बाद ही मौत के पीछे का कारण का पता चल पाएगा।

### धान उठाव में पूरे प्रदेश में बिलासपुर जिला रहा अव्वल

**बिलासपुर।** खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में धान उपार्जन का कार्य 31 जनवरी 2023 को पूर्ण होने के बाद जीरो प्रतिशत शार्टेज के साथ पूरे जिले का धान उठाकर बिलासपुर जिले ने प्रदेश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिले में इस वर्ष 138 उपार्जन केन्द्रों में कुल 51,3000.16 मैट्रिक टन धान की खरीदी की गई, जिसका उठाव 131 मिलरों द्वारा सीधे समितियों से धान खरीदी पूर्ण होने के 15 दिवस के अंदर ही कर लिया गया। इस कार्य में कलेक्टर श्री सौरभ कुमार एवं समस्त विभाग मार्कफेड, सहकारिता, सहकारी बैंक, खाद्य, राजस्व, भू-अभिलेख का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बिलासपुर जिले के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि समय सीमा के पूर्व ही यह काम पूर्ण कर लिया गया।

### सुपर नेपियर घास से होगी पैसों की खेती

**बिलासपुर।** अपने खेतों में सुपर नेपियर घास की खेती कर छत्तीसगढ़ के किसान प्रति एकड़ दो लाख रुपये तक की कमाई कर सकेंगे। इस घास का उपयोग जैविक खाद, बायोकोल व सीएनजी गैस बनाने में किया जाएगा। मुंबई स्थित मीरा क्लीन फ्यूल्स लिमिटेड द्वारा तखतपुर ब्लॉक के परसदा गांव में अप्रेल माह तक यूनिट स्थापित करने की तैयारी है। कंपनी द्वारा क्षेत्रीय सरस मेले में प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को इसकी जानकारी दी जा रही है। किसानों को पारंपरिक खेती से नगदी फसल की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र की कंपनी मीरा क्लीन्फ्यूल्स लिमिटेड द्वारा रविशंकर प्रोद्युयूसर कंपनी लिमिटेड के माध्यम से बिलासपुर जिले के तखतपुर ब्लॉक के परसदा गांव में एक ऐसी यूनिट लगाई जा रही है, जो सुपर नेपियर घास से जैविक खाद, सीएनजी गैस व बायोकोल का निर्माण करेगी। इन उत्पादों के लिए सुपर नेपियर घास कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल की जाएगी। ऐसे में छत्तीसगढ़ के किसान अपने खेतों में इस घास की खेती करके प्रति एकड़ सालाना दो लाख रुपये तक कमा सकेंगे। कंपनी द्वारा क्षेत्रीय सरस मेले में स्टॉल लगाकर इस संबंध में किसानों को जानकारी दी जा रही है। दो दिनों में 110 लोगों ने स्टॉल में जानकारी लेकर सुपर नेपियर घास की खेती के प्रति अपनी दिलचस्पी दिखाई है।

### जंगली हाथियों की सुरक्षा के संबंध में कार्ययोजना पर बैठक में विचार-विमर्श

**बिलासपुर।** कलेक्टर सौरभ कुमार की अध्यक्षता में जंगली हाथियों की सुरक्षा के लिए गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में जंगली हाथियों की सुरक्षा एवं हाथी मानव द्वंन्द की समस्या से निपटने हेतु प्रस्तावित कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। सभी विभागों के आपसी समन्वय एवं सहयोग से लोगों को सचेत कर हाथियों की सुरक्षा किये जाने पर रणनीति तैयार किया गया। बैठक में जन हानि, जन घायल, पशु हानि, फसल हानि एवं अन्य संपत्ति हानि के प्रकरणों का त्वरित निराकरण एवं मुआवजा भुगतान की समीक्षा की गई। ग्रामीणों में मानव हाथी द्वंद के कारण एवं अपनाये जाने वाले उपायों के बारे में जन जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्य सतत् रूप से चलाये जाने की जरूरत महसूस की गई। वन क्षेत्रों से गुजरने वाले विद्युत तारों को मानक उंचाई पर संधारित एवं मानक उंचाई से नीचे झूल रहे बिजली के तारों को दुरूस्त करने की कार्यवाही के संबंध में विद्युत विभाग से वनक्षेत्रों से गुजरने वाले बिजली लाईन में कवर्ड कंडक्टर का प्रयोग, हुकिंग एवं सर्वे करने के निर्देश दिए गए।

# अरुण वोरा के निवास को घेरकर भाजपा ने किया प्रदर्शन

## जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर टीएस सिंहदेव की चिट्ठी दिखाने से घबराए अरुण वोरा

**दुर्ग।** पीएम आवास योजना और पट्टा वितरण पर रोक, पेयजल प्रदाय में नाकामी, अस्तव्यस्त कानून व्यवस्था, निम्न स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं, बदहाल सड़कें, खराब सफाई व्यवस्था जैसे अनेकों मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी जिला दुर्ग के अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, महिलाएं, युवा एवं पीएम आवास का इंतजार कर रहे लोग सतरूपा शीतला मंदिर सिविल लाइन में इकट्ठा हुए। जहां पर जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व और दुर्ग विधानसभा प्रभारी पूर्व विधायक प्रीतम साहू विशेष उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने मां शीतला माता की आरती की तत्पश्चात कांग्रेस विधायक अरुण वोरा के पदमनाभपुर स्थित निवास तक पदयात्रा रैली निकाली। रैली सतरूपा शीतला मंदिर सिविल लाइन से जेल चौक होते हुए विधायक निवास पहुंची। घेराव करने निकले लोगों ने रास्ते भर भूपेश बघेल और अरुण वोरा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और गरीबों का हक मारने के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया।

कांग्रेस विधायक अरुण वोरा के निवास के चारों तरफ पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग की गई थी लेकिन बैरिकेडिंग को तोड़कर भाजपा कार्यकर्ता अरुण वोरा के निवास तक पहुंचने में सफल हो गए। विधायक अरुण वोरा ने अपने निवास से बाहर निकल कर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से चर्चा करनी चाही और आरोप लगाया गया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम आवास का फंड जारी नहीं किया जा रहा है तो अरुण वोरा के झूठ को उजागर करते हुए दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने विगत वर्ष पंचायत एवं स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 16 जुलाई 2022 को लिखी गई चिट्ठी दिखाई जिसमें टीएस सिंह देव ने प्रधानमंत्री आवास की करोड़ों रुपए की राशि कांग्रेस सरकार द्वारा वापस लौटाए जाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से नाराजगी व्यक्त की गई थी। मंत्री टी एस सिंहदेव द्वारा भूपेश बघेल को लिखी गई चिट्ठी देखकर अरुण वोरा घबराकर निरुत्तर हो गए और कहने लगे प्रधानमंत्री आवास योजना बने यह तो मैं भी चाहता हूं जिस पर जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कांग्रेस विधायक अरुण वोरा से कहा कि कहा कि यदि आप भी यही चाहते हैं तो भाजपा में शामिल होकर भूपेश बघेल के पास चलिए और प्रधानमंत्री आवास योजना लागू करने के लिए बात करिए, जिससे घबराकर अरुण वोरा अपने निवास के भीतर चले गए।

विधायक निवास के सामने जनसमूह को संबोधित करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि जनता अपना प्रतिनिधि समस्याओं के निराकरण के लिए चुनती है ना कि अपनी समस्याएं बढ़ाने के लिए। विधायक अरुण वोरा ने जनता की समस्याओं के निराकरण की बजाए अपने राजनीतिक कुनबे को बढ़ाने में ज्यादा ध्यान दिया चाटुकारिता करने वाले एक अकर्मण्य व्यक्ति को दुर्ग शहर का महापौर बना दिया जिसे कठपुतली की तरह वे इस्तेमाल करते है, परिणामस्वरुप दुर्ग की दुर्गति हो रही है। क्राइम रिपोर्ट में दुर्ग शहर सबसे ऊपर है, दुर्ग में माताओं बहनों से अनाचार, लूटपाट, हत्या, चोरी, डकैती के मामले लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अपना खुद का पक्का घर हर गरीब का सपना होता है लेकिन गरीबों के सपने के बीच में भूपेश बघेल और विधायक अरुण वोरा आ गए हैं।

जिला महामंत्री ललित चंद्राकर और सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि अकर्मण्यता और झूठा दोषारोपण अब कांग्रेसी विधायक अरुण वोरा और महापौर धीरज बाकलीवाल की पहचान बन चुके हैं। प्रदेश शासन के मंत्री टी एस सिंहदेव ने जब स्पष्ट रूप से भूपेश बघेल को चिट्ठी लिखकर कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा लौटाना गलत है लेकिन इसके बावजूद जनता के सामने झूठ पर परोसते हुए हुए कह रहे है कि केंद्र सरकार द्वारा फंड नहीं भेजा जा रहा है, ऐसे झूठे नेताओं को अब सत्ता से बाहर करने का समय आ गया है।

# नगरीय निकायों को 1 हजार करोड़ की सौगात

**रायपुर।** नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के गौरव समागम 2023 में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कई बड़ी सौगात देते हुए घोषणा किया कि राज्य के सभी नगरीय निकायों को विकास के लिए लगभग 1 हजार करोड़ रुपये दिया जाएगा। जिनमें नगर निगम रायपुर को 100 करोड़ रुपये बिलासपुर नगर निगम को 50 करोड़, दुर्ग नगर निगम को 25 करोड़ मिलेंगे, भिलाई चरौदा, अम्बिकापुर, जगदलपुर को 20-20 करोड़, रिसाली, राजनादगांव, रायगढ़ एवं कोरबा को 15-15 करोड़, बिरगांव, धमतरी एवं चिरमिरी को 10-10 करोड़ की राशि, सभी नगर पालिकाओं को 5-5 करोड़ और सभी नगर पंचायतों को 3-3

करोड़ तथा चुंगी कर को 26 रुपये से बढ़ाकर 35 रुपये करने की घोषणा की। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने रायपुर, भिलाई और बिलासपुर में शहरी महिला आजीविका केंद्र शुरू करने, युवाओं के रोजगार हेतु रायपुर एवं भिलाई में सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर सुविधा सहित बीपीओ खोलने, भिलाई में बनेगी विश्वस्तरीय सेंट्रल लाइब्रेरी कम रीडिंग ज़ोन, रीपा की तर्ज पर सभी नगर निगम और नगर पालिकाओं में खुलेंगे अर्बन कार्टेज और सर्विस इंडस्ट्रीज पार्क, शहरों के मार्केट एरिया में सीसीटीवी, आधुनिक शौचालय और विकास व्यवस्था की घोषणा, नगर निगमो में बनेंगे स्मार्ट हेल्थ कियोस्क- कियोस्क में बीपी, सुगर, ब्लड टेस्ट की मिलेगी निशुल्क सुविधा, रायपुर शहर के जल भराव वाले क्षेत्रों में ड्रेनेज सिस्टम की घोषणा, भूमि विकास नियम को सरलीकरण करने की घोषणा, अम्बिकापुर में महात्मा गांधी स्टेडियम का उन्नयन, सड़क निर्माण एवं सौंदरीकरण की घोषणा शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले निकायों को पुरस्कृत किया।

### नगरीय क्षेत्रों में एक लाख 12 हजार से अधिक आवास पूर्ण

**रायपुर।** मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन की राज्य स्तरीय स्वीकृति और निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक हितग्राही द्वारा स्वयं आवास निर्माण के अंतर्गत नवीन परियोजनाओं की स्वीकृति और पूर्व में स्वीकृत परियोजनाओं में आवासों की कटौती उपरांत संशोधित परियोजनाओं की स्वीकृति और क्रियान्वयन परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में योजना की भौतिक प्रगति एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी अधिकारियों ने दी। नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राही द्वारा स्वयं आवास निर्माण हेतु करीब दो लाख 20 हजार 189 आवास स्वीकृत किए गए है। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत 2766 करोड़ 55 लाख केन्द्रांश और 1734 करोड़ 69 लाख राज्यांश के रूप में प्राप्त किए गए है। आवास के निर्माण में अब तक 3860 करोड़ 63 लाख की राशि का व्यय की गई है।

# बिलासादेवी एयरपोर्ट में निर्माण कार्य आज से शुरू

**बिलासपुर।** विमानन विभाग के संचालक एन.एन.एक्का एवं कलेक्टर सौरभकुमार ने आज बिलासा देवी केंवट हवाई अड्डा चकरभांठा का निरीक्षण किया। उन्होंने हवाई अड्डा प्रबंधन एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर कार्य प्रगति की समीक्षा की। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि विमानों की नाईट लैण्डिंग के लिए जरूरी आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए कार्यादेश जारी कर दिए गये हैं। कल से काम शुरू हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि 3 सी आईएफआर फेसिलिटी के रूप में सुविधाओं का उन्नयन किया जा रहा है। वर्तमान में 3 सीव्हीएफआर सुविधाएं ही उपलब्ध हैं। बताया गया कि नाईट लैंण्डिग सुविधा के अंतर्गत रनवे स्ट्रीप की चौड़ाई बढ़ाई जायेगी। ईएण्ड एम विभाग की ओर से नाईट लेण्डिंग के लिए जरूरी प्रकाश व्यवस्था की जायेगी। बैठक में एपरॉन एक्सटेंशन एवं नयी टर्मिनल बिल्डिंग प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर एन.वीरेन सिंह, ईई पीडब्ल्यूडी बीएल कापसे, ईई ईएण्ड एम एन.टोप्पो, एसडीओ एनएस बघेल, एसडीओ आदित्य शुक्ला, सब इंजीनियर जय शुक्ला एवं उमंग गौरहा उपस्थित थे।

# भारतीय भाषाओं में अकादमिक लेखन पर राष्ट्रीय कार्यशाला

**बिलासपुर।** समापन सत्र के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. बंश गोपाल सिंह जी ने कहा कि जो व्यक्ति स्थानीय, भाषा और संस्कृति को बिना किसी अवरोध के प्रस्तुत करता है, तो वह सबसे मौलिक कार्य करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया किया कोई भी व्यक्ति किसी भी भाषा, संस्कृति को सहजने का कार्य कर रहा है, तो वह एक तरह से समाज को भी सहेजने, समाज का बेहतर निर्माण करने का कार्य भी कर रहा होता है।

कार्यशाला के तीसरे दिन प्रथम तकनीकी सत्र नई शिक्षानीति 2020 और भारतीय भाषाओं के विकास का मूलभाव विषय पर डॉ. शशांक शर्मा, पूर्व निदेशक, छत्तीसगढ़ हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जिन छात्रों में भाषा ज्ञान, अध्ययन, मनन, अभिव्यक्ति एवं नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों का समावेश है, वह किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति 2020, 102 पेज की है जिसमें 14 पेज अर्थात 13 प्रतिशत भाषा पर है।

इससे समझा जा सकता है कि नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं पर इतना अधिक जोर क्यों दिया गया है। इसका मूल कारण है भाषा के प्रति लोगों को बताना कि हम जिस भी विषय क्षेत्र में कार्य करें उसकी पहली कड़ी भाषा है, भाषा मनुष्य की सार्थकता को सिद्ध करता है, उन्होंने आगे हिंदी के विकास को रेखांकित करते हुए बताया कि भारतेन्दु हरिशचंद जी ने भी भाषायी समातना पर बल दिया था। उनके अनुसार यदि हमने अपनी आने वाली पीढ़ी को भाषायी शिक्षा नहीं दी तो फिर यह हमारी सबसे बड़ी कमजोरी होगी। इससे देश का सर्वांगीण विकास बाधित होगा, जिससे सामाजिक विकास में भी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि छठवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों को भाषा का महत्व बताना आज बहुत महत्वपूर्ण है, यह आवश्यक भी है। हम यदि यह सोचे कि इन बच्चों को भाषा ज्ञान के बिना उनका विकास कर लेंगे तो मैं समझता हूँ कि यह सही नहीं होगा, मेरा मानना तो यह है कि उन्हें अपनी मातृभाषा, हिंदी तथा संस्कृत से अवगत कराना हमारा प्रथम उद्देश्य होना चाहिए।

अंतिम तकनीकी सत्र मे डॉ. विनय कुमार पाठक पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग, रायपुर ने भारतीय भाषाओं में शोध और अकादमिक लेखन में भारतीय भाषाओं में अनुसंधान का विस्तार विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा खोज वह साधन है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनी द्वारा की गई साधना शोध का ही एक रूप थी। आज हम खोजे हुए को खोजते है, वहीं अनुसंधान या रिसर्च है, उनके अनुसार भाषा में संस्कृत मूलभाव है तथा संस्कृति उसी से उत्पन्न हुई हैं।

# संस्कृति बचाने गहना धरोहर दिवस मानने का संकल्प

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की संस्कृति में गहनों का विशेष महत्व है इन मनपा, मोहर बंदा गुता को मूलभूत छत्तीसगढ़ी भाषा और गौड़ी भाषा के महत्व को उजागर किया है। 15 फरवरी को छत्तीसगढ़ी प्राचीन गहना धरोहर दिवस एवं विश्व प्राचीन गहना धरोहर दिवस के रूप में मनाने का संकल्प किया है।

साथ ही यूनेस्को, भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार से भी छत्तीसगढ़ प्राचीन गहना धरोहर दिवस के रूप में मनाने की मांग की ताकि गहनों की प्राचीन संस्कृति विलुप्त ना हो और प्राचीन गहने संरक्षित रहे। बुधवार को पत्रकारवार्ता में सुश्री शांता शर्मा ने बताया कि गहने का लोकार्पण गुलाटी (गुलाटी नर्सिंग होम, दुर्ग) संस्था संरक्षक रुपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था भिलाई एवं मीर अली मीर के कर कमलों से हुआ है। सुश्री शांता ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से विलुप्त होती गहनों की संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए चिन्हारी आयोग के गठन की मांग की साथ ही छत्तीसगढ़ की मुलभुत लुगरा अंडी को राजकीय साड़ी कर दर्जा एवं छत्तीसगढ़ के पारंपरिक गहनों को राजकीय गहनों का दर्जा देने की मांग की। गहनों को सम्मान से भेंट देने की कड़ी में कवि मीर अली और जी. डॉ मानसी गुलाटी, प्रभुदयाल उजाला प्रेस क्लब रायपुर में गहने भेंट किए। छत्तीसगढ़ के गहनों के प्रचार-प्रसार के लिए संस्कृतिक यात्रा पूर्ण छत्तीसगढ़ी अपनाव, नशा मुक्त छत्तीसगढ़ कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ की मूल विषय को लेकर 18 जून 2019 से छत्तीसगढ़ की यात्रा आरम्भ की । सुश्री शांता शर्मा का नाम 16 जनवरी 2023 को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सम्मिलित हुआ है।

# जेसीआई ने वैलेंटाइन डे पर मनाया मातृ पितृ दिवस

**रायपुर।** जेसीआई रायपुर संगवारी जोन 9 ने अनोखा पहला करते हुए 14 फरवरी वैलेंटाइन डे पर मनोहर जीवन वृद्ध आश्रम दावड़ा कॉलोनी में पहुंचकर वृद्धजनों के साथ मातृ-पितृ दिवस मनाया। सदस्यों ने बुजुर्गों का तिलक लगाककर स्वागत किया और आरती उतारने के साथ ही उनका मनोबल बढ़ाने के साथ केक भी कांटा।

आश्रम की संचालिका तृप्ति लूनिया ने जेसीआई रायपुर संगवारी जोन 9 के सदस्यों से बुजुर्गों का परिचय करवाया और बताया कि वे आश्रम को कैसे संचालित करते है। संगवारी के संस्थापक अखिलेश शर्मा ने कहा आज हम अपने बड़ों के प्रति

कर्तव्य को भूल गए हैं अपने कर्तव्य को, नैतिकता को अपने बड़ों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को नहीं भूलना चाहिए। चैप्टर इंचार्ज सुभाष साहू ने आज के दिन को अपने माता पिता को समर्पित करते हुए कहा कि एक दिन हमें अपने माता-पिता को याद नहीं करना है, हर दिन याद करना है, उनको समय देना है। आईपीपीपी पी. वेंकट राव ने मातृ - पितृ दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि हम अपने बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद और मार्गदर्शन के बिना कुछ भी कर पाना संभव नहीं है, आज बिना स्वार्थ जो हमारे लिए सोचते हैं वह हमारे बड़े हमारे माता-पिता ही हैं।

जेसीआई रायपुर संगवारी के अध्यक्ष जेसी विपिन अग्रवाल ने मातृ-पितृ दिवस के लिए सभी संगवारी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आज के युवा यदि अपनी सोच में अपने बड़ों के प्रति मान-सम्मान की भावना रखनी चाहिए।

# अबूझमाड़ के किसानों को बिचौलियों से मिली मुक्ति

## पहली बार 720 किसानों ने बेचा धान, किसानों को हुआ 4 करोड़ 22 लाख रुपये का भुगतान

**रायपुर।** देश-दुनिया से अनभिज्ञ रह रहे अबूझमाड़वासी अब राज्य शासन की योजनाओं का लाभ उठाने लगे हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर अबूझमाड़ क्षेत्र में राजस्व सर्वे का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस सर्वे से अबुझमाड़ अंचल के किसानों और ग्रामीणों को नई-नई योजनाओं का लाभ मिलना भी शुरू हो गया है। अबूझमाडिया किसान न केवल अपना धान समर्थन मूल्य पर बेच रहे हैं। बल्कि उन्हें राशन, बिजली, पेयजल, पेंशन सहित सभी मुलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से मिल रही हैं।

अबुझमाडिया किसानों ने पहली बार समर्थन मूल्य पर अपना धान बेचा, इससे

खेती-किसानी में उनकी रूचि बढ़ी है। इस चालू सीजन में 720 अबुझमाडिया किसानों को समर्थन मूल्य पर धान बेचने पर उन्हें 4 करोड़ 22 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। मसाहती सर्वे नहीं होने के कारण पहले किसानों को औने-पौने दाम पर धान बिचौलियों के हाथों बेचना पड़ता था। अब उन्हें इस दिक्कत से निजात मिल गई है। शासकीय योजनाओं का लाभ उन्हें बेहतर ढंग से मिल रहा है। गौरतलब है कि अबूझमाड़ के करीब 2500 किसान राजस्व सर्वे उपरान्त मसाहती खसरा मिलने के बाद धान बेचने हेतु पंजीयन कराया। 27 अगस्त 2019 को मंत्री परिषद के निर्णय के पालन में छत्तीसगढ़ के राजस्व विभाग द्वारा नारायणपुर जिले में मसाहती सर्वे के लिए 246 ग्रामों को अधिसूचित किया गया। इन गांवों में सम्पूर्ण ओरछा विकासखण्ड के 237 ग्राम तथा नारायणपुर विकासखण्ड के 9 ग्राम शामिल थे। अब तक नारायणपुर जिले के 110 ग्रामों का मसाहती सर्वे किया जा चुका है। इसमें नारायणपुर विकासखण्ड के 9 ग्राम और ओरछा विकासखण्ड के 101 ग्राम शामिल है। अब तक 7 हजार 700 से अधिक किसानों को मसाहती खसरा का वितरण किया जा चुका है। अबुझमाड़ अंचल में बहुत से किसान वर्षों से वन क्षेत्रों के भीतर काबिज भूमि पर खेती करते आ रहे थे, लेकिन इस क्षेत्र में भूमि का सर्वे नहीं होने के कारण उनके पास भूमि संबंधी कोई भी दस्तावेज नहीं थे। जिसके कारण वे शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे थे और न ही उन्हें खेती-किसानी के लिए बैंकों से ऋण मिल पाता था। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ऐसे किसानों की तकलीफ को समझते हुए नारायणपुर जिले के अबुझमाड़ अंचल में सर्वे का काम शुरू कराया और किसानों को मसाहती पट्टे प्रदान किया गया। इससे वर्षों से काबिज भूमि पर खेती-किसानी करने वाले किसानों को उस भूमि का मालिकाना हक मिला। भूमि का मालिकाना हक मिलने से अबूझमाड़ के अनेक किसानों के जीवन खुशियों से भर गया।

# कांग्रेस अधिवेशन की तैयारी जोरों पर

## सभा स्थल में परिवर्तन, नवा रायपुर की जगह ग्राम जोरा में, पवन बंसल- तारिक अनवर ने लिया जायजा

रायपुर। कांग्रेस के 85वां अधिवेशन की तैयारियां जोरो पर चल रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पवन बंसल, महासचिव तारिक अनवर, प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, प्रभारी सचिवगण डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरीशंकर उल्का, राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष के सलाहकार संपल जी, विजय जांगीर ने सभा स्थल एवं आयोजन स्थल का निरिक्षण किया। राजीव भवन में विभिन्न कमेटियो के प्रभारियों के साथ बैठक कर तैयारियो का जायजा लिया। कार्यक्रम के संबंध में बनाई गयी रूपरेखा एवं विभिन्न कमेटियो की जिम्मेदारियों का विस्तृत विश्लेषण किया गया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कमेटी ने सभा के लिए चयनित जगह में परिवर्तन कर दिया है। पहले यह सभा नवा रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन के पास होने वाली थी लेकिन अब कृषि विश्वविद्यालय के पास ग्राम जोरा के मैदान में होगी। बुधवार की सुबह पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तारिक अनवर और कोषाध्यक्ष पवन बंसल रायपुर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम व प्रभारी शैलजा के साथ अधिवेशन स्थल गए और तैयारियों को देखा। इस मौके पर मुख्य डोम का नाम दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा के नाम पर करने का ऐलान किया। कांग्रेस की जनसभा स्थल को बदले जाने पर कुमारी शैलजा ने बताया कि पुरखौती मुक्तांगन के सामने स्थित मैदान छोटा था। जनसभा में देशभर से बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस वजह से जनसभा स्थल को बदला गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने बताया कि एआईसीसी का 85वां अधिवेशन 24, 25, 26 फरवरी को चलेगा। इस अधिवेशन में विभिन्न विषयो की विषय कमेटियां विमर्श करके अपनी अनुशंसा देगी। जिसके संबंध में कांग्रेस के अधिवेशन में प्रस्ताव पारित होगा। अधिवेशन के प्रथम दिन 24 फरवरी को प्रतिनिधियों का रजिस्ट्रेशन होगा।

दूसरे दिन पीसीसी एवं एआईसीसी प्रतिनिधियों का सम्मेलन होगा। तीसरे दिन विशाल आमसभा होगी। आमसभा जोरा में कृषि विश्व विद्यालय के सामने होगा। अधिवेशन के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये 13 उपसमितियों का भी गठन किया गया है। इनमें पब्लिक मीटिंग समिति, डायस समिति, प्रचार प्रसार समिति, प्रदर्शनी कमेटी, मेडिकल समिति, कम्युनिकेशन समिति, ट्रांसपोर्ट समिति, फूड कमेटी, एकोमोडेशन कमेटी, पंडाल समिति, संस्कृति समिति, सोविनियर समिति, डेकोरेशन समिति है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस का अधिवेशन सिर्फ कांग्रेस ही नही देश के भविष्य के लिये मील का पत्थर साबित होगा।

देश की जनता विभिन्न ज्वलंत विषयों पर कांग्रेस की राय और नीतियों की तरफ उत्सुकता से देख रही है। कृषि आर्थिक, रोजगार विदेशनीति जैसे विषयों पर कांग्रेस के अधिवेशन में पारित प्रस्ताव देश को एक नई दिशा देंगे। आजादी की लड़ाई से लेकर देश के नवनिर्माण में कांग्रेस पार्टी ने अग्रणी भूमिका निभाई है। आज भी जब सत्ता रूढ देश के संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर प्रहार कर रहा है। तब देश के प्रजातंत्र को बचाने में कांग्रेस की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है।

### तैयारी की समितियां

कांग्रेस के 85वें अधिवेशन की तैयारियों एवं अधिवेशन के आयोजन के लिये 13 समितियां बनाई गयी है। जिनमें पब्लिक मिटिंग समिति चेयरमेन ताम्रध्वज साहू, को. चेयरमेन डॉ. शिवकुमार डहरिया, संयोजक अमरजीत चावला, समन्वयक गिरीश देवांगन, डायस समिति चेयरमेन रविन्द्र चौबे, को. चेयरमेन राजेश तिवारी, संयोजक रामगोपाल अग्रवाल, समन्वयक अमरजीत चावला, कम्युनिकेशन समिति चेयरमेन विनोद वर्मा, को. चेयरमेन सुशील आनंद शुक्ला, संयोजक रूचीर गर्ग, समन्वयक राजेन्द्र तिवारी, प्रचार प्रसार समिति चेयरमेन डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, को. चेयरमेन विनोद वर्मा, संयोजक लखेश्वर बघेल, समन्वयक द्वारिकाधीश यादव, प्रदर्शनी कमेटी चेयरमेन अनिला भेड़िया, को. चेयरमेन धनेन्द्र साहू, संयोजक अर्जुन तिवारी, समन्वयक रश्मि सिंह, मेडिकल समिति चेयरमेन टी.एस. सिंहदेव, को. चेयरमेन राकेश गुप्ता, संयोजक डॉ. प्रीतम राय, समन्वयक डॉ. विनय जायसवाल, ट्रांसपोर्ट समिति चेयरमेन मो. अकबर, को. चेयरमेन शिशुपाल सोरी, संयोजक रवि घोष, समन्वयक प्रमोद दुबे, फूड कमेटी चेयरमेन अमरजीत भगत, को. चेयरमेन रामगोपाल अग्रवाल, संयोजक चुन्नीलाल साहू, समन्वयक कुंवर सिंह निषाद, एकोमोडेशन कमेटी चेयरमेन डॉ. शिवकुमार डहरिया, को. चेयरमेन रामगोपाल अग्रवाल, संयोजक अमरजीत चावला, समन्वयक कुलदीप जुनेजा, पंडाल समिति चेयरमेन कवासी लखमा, को. चेयरमेन रोमगोपाल अग्रवाल, समन्वयक प्रतिमा चंद्राकर, संयोजक यू.डी. मिज, संस्कृति समिति चेयरमेन उमेश पटेल, को. चेयरमेन अटल श्रीवास्तव, संयोजक सुमित्रा धृतलहरे, समन्वयक कुंवर सिंह निषाद, सोविनियर समिति चेयरमेन रूद्रगुरू, को. चेयरमेन राजेन्द्र तिवारी, संयोजक लखेश्वर बघेल, समन्वयक अंबिका सिंहदेव, डेकोरेशन समिति चेयरमेन जयसिंह अग्रवाल, को. चेयरमेन सत्यनारायण शर्मा, संयोजक गुरूमुख सिंह होरा, समन्वयक इन्द्रशाह मंडावी।

## लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अगले महीने से लगेंगे शिविर

रायपुर। रायपुर जिले में लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए मार्च महीने से ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में शिविर लगाए जाएंगे। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने शिविरों के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश आज समय सीमा के साप्ताहिक बैठक में दिए। डॉ भुरे ने विभागीय अधिकारियों से उनके विभागों में संचालित कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिले में मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मिले आवेदनों, मुख्यमंत्री की घोषणाओं एवं जनसामान्य की मांगों-शिकायतों से संबंधित विषयों पर अधिकारियों से चर्चा कर जल्द से जल्द निराकृत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश छिकारा, अतिरिक्त कलेक्टर श्री एन.आर.साहू, अपर कलेक्टर बी.बी.पंचभाई, गजेन्द्र ठाकुर एवं बी.सी.साहू, सभी एस.डी.एम तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आज यहां कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने मार्च महीने से जिले के ग्रामीण और शहरी इलाकों में लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए क्लस्टर स्तरीय शिविर लगाने के निर्देश दिए। 10 से 12 ग्राम पंचायतों को मिलाकर एक क्लस्टर बनेगा। इसी प्रकार नगर पंचायत और नगर निगम क्षेत्रों में भी शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में राशन कार्ड बनाने, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड बनाने, श्रम कार्ड बनाने से लेकर लोगों की सभी समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

## अबूझमाड़ के 10 खिलाड़ियों ने अभा स्तर पर कांस्य पदक जीता

भिलाई। विगत दिनों उज्जैन में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 में सर्वश्रेष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए 201.25 अंक अर्जित कर छत्तीसगढ़ के महिला एवं पुरूष खिलाडियों ने टीम चैंम्पियन का खिताब अपने नाम करते हुए इतिहास रचा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 में छत्तीसगढ़ की मल्लखम्ब खिलाडियो की टीम ने कांस्य पदक पर पुन: कब्जा जमाया है। इस टीम में नारायणपुर अबुझमाड़ के 10 खिलाडियों ने कांस्य पदक प्राप्त कर टीम को सफलता दिलायी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022, 07 फरवरी को उज्जैन में आयोजित की गई थी। इसमें छत्तीसगढ़ सहित देष के 15 राज्यों की मल्लखम्ब टीमों ने भाग लिया जिसमें मध्यप्रदेळ 207.20 अंक प्राप्त कर प्रथम और महाराष्ट्र 205.60 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रही।

# मुख्यमंत्री पूरे करें जन घोषणापत्र के वादे- चंदेल

■ नेता प्रतिपक्ष बोले सत्र की अवधि पर्याप्त होनी चाहिए

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा है कि सरकार बजट सत्र में जनता के हक में होने वाली व्यापक चर्चा से भाग रही है। इसीलिए मात्र 14 बैठकों का बजट सत्र रखा गया है। यह अवधि चर्चा के लिए पर्याप्त नहीं है। जनहित के मुद्दों पर सरकार चर्चा नहीं करना चाहती। हर सत्र में यही हो रहा है। कम से कम बजट सत्र में तो जनता का ध्यान रखा जाए।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अनुरोध है कि 4 वर्ष पूरे हो गए हैं। बजट सत्र से पहले घोषणा पत्र में किए सारे वादे पूरे कर लें। बजट सत्र में व्यापक चर्चा होनी चाहिए। जनता के मुद्दे से भागना राज्य के मुखिया के

लिए उचित नहीं है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार और प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आग्रह है कि आपने जितने जो वादे जन घोषणा पत्र में जनता से किए हैं, उन्हें पूरा कर दें। छत्तीसगढ़ की सरकार से मांग है कि बजट सत्र सिर्फ 14 बैठकों का बुलाया गया है। चर्चा ज्यादा होना चाहिए। छत्तीसगढ़ में बहुत से ज्वलंतऔर जनहित के मुद्दे ऐसे हैं, जिन पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। बजट सत्र लंबा होना चाहिए।

### हत्या के विरोध में धरने में शामिल होंगे प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव एवं नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल बस्तर में भाजपा कार्यकर्ताओं की लगातार हत्या के विरोध में 16 फरवरी को जगदलपुर में आयोजित पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय के घेराव में शामिल होंगे। प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में कांग्रेस सरकार की शह पर षडयंत्र पूर्वक, सुनियोजित तरीके से लक्ष्य करके भारतीय जनता पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं की हत्या किए जाने के विरोध में भाजपा द्वारा 16 फरवरी को बस्तर मुख्यालय जगदलपुर में रैली निकालकर आईजी कार्यालय के सामने धरना और प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल इस अवसर पर शामिल रहेंगे। प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने बताया कि बस्तर में घेराव के बाद 17 फरवरी को प्रदेश की 400 से अधिक सड़कें जाम की जाएंगी। संगठन के वरिष्ठजनों में संतोष पाण्डेय, बस्तर संभाग प्रभारी, केदार कश्यप भाजपा प्रदेश महामंत्री, दिनेश कश्यप पूर्व सांसद, किरण देव बिलासपुर संभाग प्रभारी, सुश्री लता उसेण्डी पूर्व मंत्री , जी. वेंकट जिला प्रभारी, सेवक राम नेताम जिला सह प्रभारी, डा. सुभाऊ कश्यप संतोष बाफना, बैदूराम कश्यप , लच्छू राम कश्यप , श्रीनिवास राव मद्द , कमल चंद भंजदेव, निखिल राठौर जगदलपुर विस प्रभारी, आलोक ठाकुर बस्तर विस प्रभारी, नवीन विश्वकर्मा चित्रकोट विस प्रभारी, सभी सात जिलों के जिला अध्यक्ष शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

## आरएसएस के इशारे पर चुनावी यात्रा से संतो का कोई सरोकार नहीं: कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सभी मोर्चों पर फेल हो चुकी है मोदी सरकार की वादाखिलाफी और छत्तीसगढ़ में भाजपा के विपक्ष का धर्म निभाने में नाकामी के बाद है एक बार फिर अब आर एस एस के आजमाए हुए नुस्खे फूट डालो और राज करो की नीति के तहत छत्तीसगढ़ में धार्मिक यात्रा के आयोजन की तैयारी है। आजादी की लड़ाई के समय अंग्रेजों के इशारे पर जिन्ना और सावरकर जिस भूमिका में थे, आज मोदी और ओवैसी हैं। आरएसएस के पित्र पुरुषों ने मुस्लिम लीग के साथ मिलकर बंगाल में अंतरिम सरकार बनाई। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जिन्ना के साथ मिलकर अंतरिम सरकार में बंगाल के उप-मुख्यमंत्री बने। उससे पहले 1934 में अंग्रेजों ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कोलकाता विश्वविद्यालय का वाइस चांसलर बनाया। सांप्रदायिक आधार पर द्विराष्ट्र सिद्धांत की थ्योरी भी अंग्रेजों के इशारे पर सावरकर ने ही 1937 में पहली बार अहमदाबाद अधिवेशन में दी थी। अंग्रेजों से लिखित माफीनामा देकर रिहा हुए सावरकर अंग्रेजी हुकूमत से भारी भरकम मासिक पेंशन प्राप्त करते रहे। भाजपा के आधार स्तंभ माने जाने वाले आडवाणी पाकिस्तान में जिन्ना की मजार पर जाकर चादर चढ़ाऐ और सियासी लाभ के लिए भारत में रथ यात्रा निकाली।

## भाजपा नेता दिल्ली में प्रधानमंत्री निवास के सामने करें प्रदर्शन मांगें गरीबों का पीएम आवास

रायपुर। भाजपा के द्वारा गरीबों के मकान नहीं देने का झूठा आरोप लगाकर विधायकों के निवास में किए जा रहे प्रदर्शन को कांग्रेस ने सियासी नौटंकी करार दिया प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेता छत्तीसगढ़ में विधायकों के निवास के बजाय दिल्ली में प्रधानमंत्री निवास के बाहर प्रदर्शन करें मोदी सरकार छत्तीसगढ़ सरकार से 800 करोड़ रुपए राज्यांश लेने के बाद भी गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं दे रही है।केंद्र में बैठी मोदी भाजपा की सरकार गरीब विरोधी है गरीबो को न मकान दे रही है न रोजगार न महंगाई से राहत सिर्फ धोखा दे रही है मोदी सरकार खुद केंद्रीय योजनाओं को लेकर गम्भीर नही है ईमानदार नहीं है भाजपा के नेता छत्तीसगढ़ में सियासी नौटंकी कर मोदी सरकार की प्रधानमंत्री आवास देने में नाकामी को पर्दा करने में लगे हुए हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा आरोप लगाती है कि 16लाख मकानों का आवंटन मोदी सरकार ने रद्द कर दिया तो इसके लिए दोषी तो मोदी सरकार है केंद्र की सरकार ही मकानों का आवंटन करती है और केंद्र की सरकार ही रद्द कर देती है तो भाजपा के 9 सांसदों के मुंह में दही जमा रहता है।

## छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खात्में की ओर - कांग्रेस

रायपुर। बस्तर में 33 नक्सलियों के द्वारा आत्मसमर्पण किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेश संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश सरकार के द्वारा नक्सलवाद को खत्म करने चलाई जा रही विश्वास विकास और सुरक्षा के नीति स्पष्ट दबाव नक्सलियों के ऊपर दिख रहे हैं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं शिक्षा का प्रकाश फैलाया जा रहा है रोजगार दिया जा रहा है उनके कानूनी अधिकार दिए जा रहे हैं और सुरक्षा दी जा रही है जिसके चलते आज नक्सलियों की कमर टूटी है सुरक्षा में लगे जवानों नक्सलियों के गोली का जवाब गोली से दे रहे हैं नक्सलियों को पीछे खदेड़ हैं और सरकार की नीतियों का स्पष्ट दबाव नक्सलियों पर दिख रहे हैं नक्सली अब हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण करें और समाज के मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं बीते 4 साल में प्रदेश में नक्सलवादी गतिविधियों में 80 प्रतिशत की कमी हुई है नक्सलियों के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हुई है एनकाउंटर हुआ है अब नक्सली छत्तीसगढ़ छोड़कर भाग रहे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि वर्ष 2008 से लेकर 2018 तक के आंकड़ों को यदि देखा जाए तो इस दौरान राज्य में नक्सली हर साल 500 से लेकर 600 हिंसक घटनाओं को अंजाम देते थे।

## शैलजा जी देख लें, भूपेश राज में महिलाएं घर में तक सुरक्षित नहीं हैं- रंजना साहू

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने राजधानी में घर में घुसकर एक महिला की गला काटकर जघन्य हत्या की वारदात का हवाला देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कानून व्यवस्था की स्थिति पर कोई नियंत्रण नहीं है। कांग्रेस की फंडिंग का ठेका लेने वाले सीएम महिलाओं की सुरक्षा की चुनौती स्वीकार क्यों नहीं करते? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा देख लें कि कांग्रेस की सरकार में महिलाएं अपने घर में भी सुरक्षित नहीं हैं। वे कांग्रेस के अधिवेशन की तैयारियों के दौरान जिस मुख्यमंत्री की तारीफ कर रही हैं, उसके राज में ऐसी वारदातें मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित पूरे देश के कांग्रेस नेताओं के छत्तीसगढ़ दौरे के समय रुक जायेंगीं, ऐसी कोई गारंटी यह सरकार नहीं दे सकती। छत्तीसगढ़ की जनता जंगल राज देख रही है, भोग रही है। अब यह हकीकत कांग्रेस महाधिवेशन में आमंत्रित सभी कांग्रेस नेता भी देख लें और अंदाज कर लें कि अब यहां कांग्रेस का भविष्य क्या होगा। विधायक रंजना साहू ने छत्तीसगढ़ में हत्या, बलात्कार, लूट डकैती की बढ़ती वारदातों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राजधानी के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में महिला की गला काटकर हत्या इस सरकार के राज की ताजा बानगी है कि जंगल में भाजपा कार्यकर्ताओं और वनवासियों का गला काटा जा रहा है।

## मोहन मरकाम का अपमान कर आदिवासी नेतृत्व को कुचल रही है कांग्रेस- विकास मरकाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा के स्वागत में विमानतल से लेकर राजधानी में जगह जगह लगाए गए होर्डिंग्स से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का चेहरा गायब होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए एक आदिवासी को प्रदेश का अध्यक्ष बना तो दिया लेकिन कांग्रेस की विचारधारा यही है कि आदिवासी दबा कुचला रहे , उसे कभी सम्मान ना मिले, वह कभी नेतृत्व न करे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में स्वागत समिति के अध्यक्ष बनाये गए मरकाम को प्रदेश प्रभारी के स्वागत प्रचार में हटाया जाना साबित कर रहा है कि कांग्रेस की नजर में आदिवासी का कितना सम्मान है। मोहन मरकाम का अपमान इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम को पहले भी कई बार अपमानित किया गया है।उनके खिलाफ एक ऐसा षड्यंत्र रचा जा रहा है, जो पहले टीएस सिंहदेव के लिए रचा जा चुका है।

## सामाजिक उपद्रव रोकने के लिए डीजे संचालकों पर कानूनन सख्ती बरतने का आग्रह

रायपुर। छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने आज जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि प्रशासन ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के आदेश का पालन कराने में सख्ती बरतने की जरूरत है।वाहनों के अंदर बड़े-बड़े साउंड बॉक्स से ध्वनि प्रदूषण किए जाने पर साउंड बॉक्स जप्त किये जाने है।

समिति के अध्यक्ष विश्वजीत मित्रा ने बताया की समाचार पत्रों में प्रकाशित होता रहता है कि पुलिस प्रशासन ने डीजे संचालकों की बैठक लेकर मालवाहक वाहनों में डीजे वाले बड़े-बड़े बॉक्स बांधने और बॉडी से बाहर तक नहीं निकालने को कहा है। इसका स्पष्ट आशय है कि पुलिस द्वारा अनुमति दी जा रही है कि वाहनों के अंदर बड़े-बड़े बॉक्स से ध्वनि प्रदूषण किया जा सकता है। प्रशासन की इस धारणा के विपरीत माननीय उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका नितिन सिंघवी विरुद्ध छत्तीसगढ़ राज्य, आदेश दिनांक 16 दिसंबर 2016 के पृष्ठ क्रमांक 16 और 17 में स्पष्ट रूप से आदेशित किया है कि वाहनों में बड़े साउंड बॉक्स / स्पीकर रख कर बजाए जा रहे साउंड बॉक्स / स्पीकर को जप्त करना है और बिना मजिस्ट्रेट के आदेश के वापस नहीं किया जाना है। छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने प्रशासन से जानना चाहा है कि 2016 से अब तक कितने वाहनों को साउंड बॉक्स पर स्पीकर सहित जप्त किया है और न्यायालय के समक्ष उसे छोड़ा गया हो।

उच्च न्यायालय के आदेशों का करीब-करीब मखौल उड़ाते हुए केवल 500 पेनल्टी लगा कर छोड़ रहे है....शादी और त्योहारी सीजन मिला कर 42 पर की कार्यवाही, जब कि दो दिन में ही निकले थे 43 डी.जे. धुमाल मित्रा ने कहा है कि केवल खानापूर्ति करने के लिए वाहनों पर डीजे की कारवाही कोलाहल अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत की जाती है।

### अब तक राज्य में 21 लाख 77 हजार 961 के बैंक खातों में आधार सीडिंग हुआ

# किसान सम्मान निधि के लिए बैंक खातों का आधार सीडिंग अनिवार्य

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 12 किस्त दी जा चुकी है। फरवरी महीने में यह तेरहवीं किस्त दिया जाना है। यह निधि की आगामी किस्त उन्हीं किसानों को दी जाएगी जिनका बैंक खाता का आधार सीडिंग और लैंड सीडिंग हो। कृषि विभाग ने प्रदेश के किसानों से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सहायता प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खातों में आधार सीडिंग एवं लैंड सीडिंग कराने का आग्रह किया है। पीएम किसान सम्मान निधि के राज्य नोडल अधिकारी एवं कृषि विभाग के अपर संचालक एस.सी. पद्म ने बताया कि अब तक राज्य में आधार प्रमाणित 24 लाख 40 हजार 888 किसानों में से 21 लाख 77 हजार 961 के बैंक खातों में आधार सीडिंग

हुआ है एवं 2 लाख 62 हजार 871 किसान शेष है। भारत सरकार द्वारा 13वीं किस्त का हस्तांतरण आधार आधारित किये जाने के निर्णय के फलस्वरूप किसानों के खाते में आधार सीडिंग नहीं होने की स्थिति में आगामी किस्त प्राप्ति में विलंब हो सकता है।

उन्होंने बताया कि आधार सीडिंग के कार्य के लिए जिस बैंक में किसान का खाता है अथवा एक से अधिक बैंक खाता धारक होने पर जिस बैंक खाते में योजना का लाभ प्राप्त करने का इच्छुक है उस बैंक शाखा में स्वयं उपस्थित हो कर आधार सीडिंग करवाना होगा। श्री पद्म ने बताया कि इस कार्य के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ;प्च्द्ध जो डाक विभाग ;क्रच्द्ध संचार मंत्रालय के तहत भारत सरकार के स्वामित्व वाली 100 प्रतिशत इक्विटी के साथ स्थापित है, के प्रस्ताव एवं भारत सरकार के निर्देशानुसार हितग्राही जिन्हें उक्त कार्य में समस्या का सामना करना पड़ रहा है अथवा किन्ही कारणों से अपने बचत खाते में आधार सीडिंग नहीं करवा पा रहे हैं, संस्था के माध्यम से योजनांतर्गत नवीन खाता खुलवा सकते हैं जिसमें संस्था द्वारा खाता प्रारंभ करने के साथ ही खाते का आधार सीडिंग और लैंड सीडिंग किया जावेगा। अपर संचालक श्री पद्म ने बताया कि योजनांतर्गत मापदण्डों के संबंध में अपनी स्थिति पता करने हेतु किसान अपने क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी/विकासखण्ड स्तरीय कृषि कार्यालय/जिला स्तरीय कृषि कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

उल्लेखनीय है कि किसान परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना दिसम्बर, 2018 से प्रारम्भ की गई है।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.